वर्ष : 34 | अंक : 307 | मुंबई, मंगलवार, 13 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

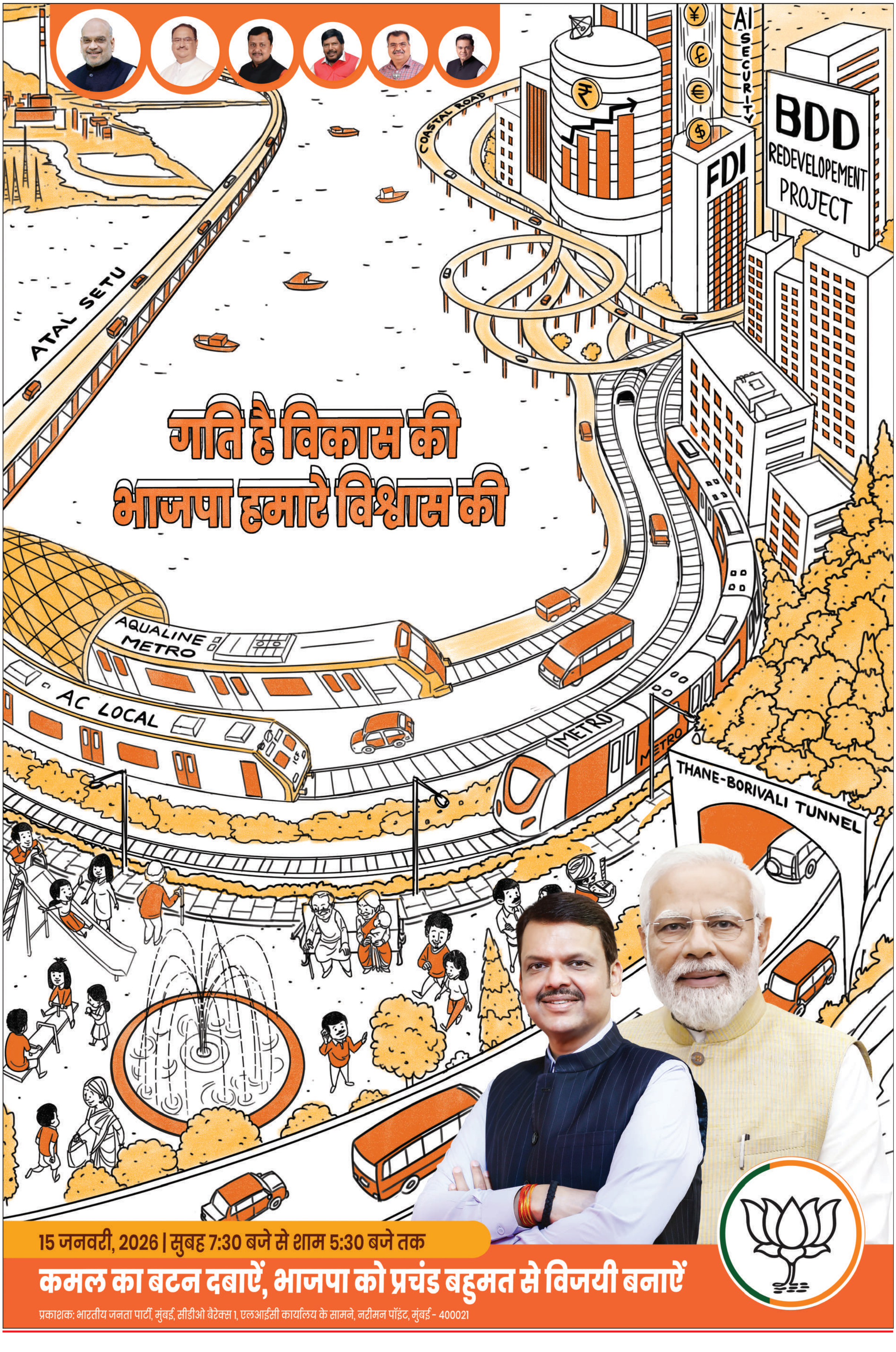

गति है विकास की
भाजपा हमारे विश्वास की

15 जनवरी, 2026 | सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक

कमल का बटन दबाऐं, भाजपा को प्रचंड बहुमत से विजयी बनाऐं

प्रकाशक: भारतीय जनता पार्टी, मुंबई, सीडीओ बैरेक्स 1, एलआईसी कार्यालय के सामने, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400021

DBD दो बजे दोपहर | II
मुंबई, मंगलवार, 13 जनवरी 2026

- सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए
- 10,908 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की ड्यूटी

मनपा चुनाव को लेकर पुलिस की तैयारी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे, भिवंडी, कल्याण-डोंबिवली और उल्हासनगर में आगामी नगर निगम चुनावों को देखते हुए ठाणे पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। प्रशासन का मुख्य उद्देश्य मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह से सुचारू, पारदर्शी और बाधा रहित बनाना है। किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस बल को पूरी तरह से अलर्ट पर रखा गया है। चुनाव के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठाणे पुलिस आयुक्त कार्यालय ने भारी संख्या में बल तैनात किया है। इस पूरी प्रक्रिया के लिए स्थानीय पुलिस और बाहरी जिलों से बुलाए गए कुल 10,908 पुलिस अधिकारियों और कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। यह भारी संख्या संवेदनशील मतदान केंद्रों पर कड़ी नजर रखने में सहायक होगी।

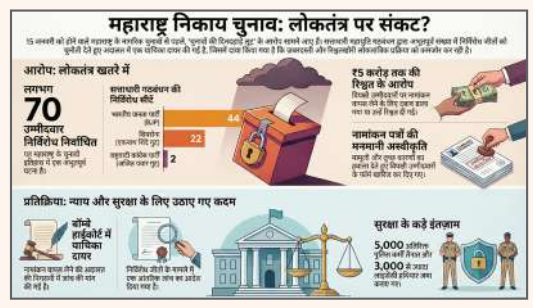

अतिरिक्त सुरक्षा इकाइयों का सहयोग

मुख्य पुलिस बल की सहायता के लिए नागरिक सुरक्षा निकायों और राज्य रिजर्व बल का भी सहारा लिया गया है। सुरक्षा व्यवस्था में 6,295 होमगार्ड तैनात किए गए हैं। साथ ही, स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखने के लिए राज्य रिजर्व पुलिस बल (SRPF) की 6 कंपनियां और 1 प्लाटून को भी अतिरिक्त जनशक्ति के रूप में शामिल किया गया है।

ड्रोन कैमरों से आधुनिक निगरानी

आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन कराने के लिए ठाणे पुलिस आधुनिक तकनीक का उपयोग कर रही है। पूरे अधिकार क्षेत्र में प्रत्येक पुलिस स्टेशन द्वारा ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है। मतदान के दिन इस निगरानी को और अधिक सघन बनाया जाएगा, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

अपराधियों पर नकेल और रूट मार्च

चुनाव को भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने के लिए पुलिस ने अपराधियों के खिलाफ अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र के सभी रिकॉर्डेड अपराधियों की प्रतिदिन जांच की जा रही है। इसके अलावा, संवेदनशील और तनावपूर्ण क्षेत्रों में स्थानीय पुलिस द्वारा रूट मार्च (Path Sanchalan) निकाला जा रहा है, ताकि जनता में विश्वास पैदा हो और असामाजिक तत्वों में कानून का डर बना रहे।

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव

शहर के 132 करोड़पति उम्मीदवार ठोक रहे हैं ताल

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव में कुल 435 उम्मीदवार चुनावी समर में उतरे हैं, जिनमें से लगभग 132 उम्मीदवार करोड़पति हैं। खास बात यह है कि इस सूची में 3 पूर्व महापौर भी शामिल हैं। इनमें भाजपा के 70, शिवसेना (शिंदे गुट) के 37, कांग्रेस के 6 और 13 निर्दलीय उम्मीदवार हैं। 2017 के मीरा भाईंदर मनपा चुनाव के विजेता रहे कई पार्षद, जो अब 2026 में फिर से चुनावी मैदान में उतर रहे हैं, उनकी संपत्ति में अप्रत्याशित उछाल दर्ज किया गया है। पिछले आठ वर्षों के भीतर, इनमें से अधिकतर पार्षदों की संपत्ति दो से पाँच गुना तक बढ़ गई है। यह भी उजागर हुआ है कि कई अनुभवी पार्षद उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति अपने बच्चों के नाम स्थानांतरित कर दी है, जबकि कुछ ने अपने निकट संबंधियों के नाम पर संपत्ति दर्ज कराने का उल्लेख किया है। सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि जहाँ उनकी घोषित वार्षिक आय कुछ लाख रुपये के आसपास है, वहीं उनकी संपत्ति का आकलन करोड़ों में किया गया है। कुछ पार्षदों ने अपनी आय का स्रोत नौकरी या व्यवसाय बताया है। स्थानीय आगरी समुदाय के कुछ व्यक्तियों की संपत्ति में हुई यह वृद्धि उन्हें पैतृक रूप से प्राप्त भूमि और संपत्ति, साथ ही ज़मीन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी का परिणाम है।

धनेश पाटिल सबसे अमीर प्रत्याशी

शिवसेना (शिंदे) के सबसे अमीर उम्मीदवार धनेश पाटिल प्रभाग क्रमांक 4 से ताल ठोक रहे हैं। उनकी कुल संपत्ति 143 करोड़ 95 लाख रुपए आँकी गई है। इसमें से 140 करोड़ 49 लाख रुपए भूमि, फ्लैट और अन्य अचल संपत्ति के रूप में हैं। पिछले चुनाव में उन्होंने 31 करोड़ 18 लाख रुपए की संपत्ति घोषित की थी। धनेश पाटिल के अनुसार, उनकी पुश्तैनी ज़मीनों के मूल्य में असाधारण वृद्धि होने के कारण संपत्ति का मूल्य बढ़ा है। इस बार उन्हें भाजपा के उम्मीदवार प्रेमनाथ पाटिल से कड़ी चुनौती मिल रही है।

सूची में शामिल तीन महिला पूर्व महापौर

- **कैटलिन परेरा (शिवसेना शिंदे):** 2017 में 6 करोड़ 75 लाख | 2026 में 14 करोड़ 63 लाख
- **डिंपल मेहता (भाजपा):** 2017 में 26 करोड़ 78 लाख | 2026 में 30 करोड़ 68 लाख
- **ज्योत्स्ना हसनाले (भाजपा):** 2017 में 4 करोड़ 79 लाख | 2026 में 6 करोड़ 84 लाख

सबसे अमीर निर्दलीय उम्मीदवार डॉ. प्रीति पाटिल की संपत्ति 43 करोड़ 54 लाख रुपए है। पुरुष वर्ग में भाजपा के बागी उम्मीदवार यशवंत कांगने ने 41 करोड़ 39 लाख रुपए की अचल संपत्ति बताई है। बिहार के दरभंगा से 2020 विधानसभा चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में करारी हार के साथ जमानत गँवाने वाले उद्योगपति शंकर झा, अब शिवसेना (शिंदे) के प्रत्याशी बनकर पहली बार मीरा भाईंदर मनपा चुनाव में उतरे हैं। उनकी संपत्ति 46 करोड़ 63 लाख रुपए आँकी गई है।

न्यूज़ ब्रीफ

14 और 15 जनवरी को टीएमटी बस सेवा रहेगी प्रभावित

ठाणे। ठाणे नगर निगम (TMC) के आम चुनाव के लिए बुधवार, 15 जनवरी 2026 को होने वाले मतदान के मद्देनजर शहर की परिवहन सेवा (TMT) काफी हद तक प्रभावित रहेगी। परिवहन प्रबंधक भालचंद्र बेहरे के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न करने के लिए विभाग की लगभग 75 प्रतिशत बसें (करीब 275 बसें) चुनाव ड्यूटी में तैनात की जाएंगी। इस कारण 14 जनवरी की दोपहर 3 बजे से लेकर 15 जनवरी की शाम 4 बजे तक शहर के विभिन्न रूटों पर केवल 80 से 85 बसें ही संचालित होंगी। परिवहन विभाग ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे इस दो दिवसीय अवधि के दौरान होने वाली असुविधा को देखते हुए यात्रा के लिए अन्य वैकल्पिक साधनों का उपयोग करें और प्रशासन का सहयोग करें।

ईवीएम मशीनों की सीलिंग प्रक्रिया कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका के आगामी आम चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए प्रशासन ने ईव्हीएम (EVM) मशीनों की कमीशनिंग और सीलिंग का महत्वपूर्ण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आयुक्त एवं चुनाव अधिकारी सौरभ राव के निर्देशानुसार, यह प्रक्रिया 9 से 11 जनवरी 2026 के बीच विभिन्न वार्ड कमेटियों के केंद्रों पर चुनाव आयोग के कड़े दिशा-निर्देशों के तहत की गई। इस दौरान रिटर्निंग ऑफिसर और उम्मीदवारों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रत्येक मशीन की कार्यक्षमता जाँची गई और उन्हें आधिकारिक तौर पर सील कर दिया गया। वर्तमान में, इन मशीनों को 24 घंटे सीसीटीवी निगरानी, पुलिस सुरक्षा और एक्सेस कंट्रोल सिस्टम से लैस स्ट्रॉन्ग रूम में सुरक्षित रखा गया है, ताकि मतदान के दिन तक इनकी विश्वसनीयता और सुरक्षा पूरी तरह बरकरार रहे।

अष्टयाम महायज्ञ और महाभंडारे में उमड़ा आस्था का जनसैलाब

मुंबई। श्री कृष्ण मिथिला सेवा संघ के तत्वावधान में आयोजित 24 घंटे का हरि नाम अष्टयाम महायज्ञ और भव्य महाभंडारा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस आध्यात्मिक आयोजन में क्षेत्र के लगभग 6 से 7 हजार श्रद्धालुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और भक्ति रस का आनंद लिया। कार्यक्रम के मुख्य मार्गदर्शक पंडित धर्मानंद झा के सान्निध्य में विधिवत पूजन संपन्न हुआ, जबकि शिक्षाविद् बाल गोविंद तिवारी का संघ द्वारा भव्य स्वागत किया गया। अध्यक्ष अर्जुन महाराज यादव और संस्थापक अरुण यादव सहित पूरी समिति के अथक प्रयासों से आयोजित इस भंडारे में हजारों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया, जिससे पूरा वातावरण 'हरे राम-हरे कृष्ण' के कीर्तन से गुंजायमान रहा।

मतदाता ऐप में सीरियल नंबर शामिल

चुनाव आयोग ने स्वीकार की ठाणे मनपा की मांग

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे महानगरपालिका चुनाव 2025-26 के मद्देनजर राज्य चुनाव आयोग ने 'मतदान' मोबाइल ऐप में एक महत्वपूर्ण सुधार किया है। पहले इस ऐप में विधानसभा क्षेत्र, वार्ड और बूथ नंबर जैसी जानकारी तो उपलब्ध थी, लेकिन मतदाता सूची का सीरियल नंबर (अनुक्रमांक) नहीं दिखाया जा रहा था। ठाणे मनपा के अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे ने पत्र लिखकर आयोग को बताया था कि सीरियल नंबर न होने से मतदान अधिकारियों को लिस्ट चेक करने में समय लगता है, जिससे प्रक्रिया धीमी हो सकती है। इस पर सकारात्मक रुख अपनाते हुए आयोग ने अब ऐप में सीरियल नंबर दिखाने की सुविधा शुरू कर दी है, जिससे वोटिंग की रफ्तार बढ़ेगी।

घर बैठे मिलेंगी सारी जानकारियां

इस नई सुविधा के बाद अब मतदाता प्ले स्टोर से 'मतदान' ऐप डाउनलोड कर अपने पंजीकरण से जुड़ी विस्तृत जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। ऐप में जिला, विधानसभा और वार्ड जैसी सामान्य जानकारी भरने के बाद मतदाता को अपना पोलिंग बूथ, वोटर आईडी कार्ड नंबर, मतदान केंद्र का पता, तारीख और समय के साथ-साथ अब इलेक्टोरल रोल का सीरियल नंबर भी एक क्लिक पर मिल जाएगा। प्रशासन का मानना है कि डिजिटल तकनीक का यह प्रभावी इस्तेमाल लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी और सुगम बनाएगा, जिससे मतदाताओं को बूथ पर नाम खोजने की परेशानी से मुक्ति मिलेगी।

सुरक्षा के लिए दमकल विभाग पूरी तरह मुस्तैद

180 मतदान केंद्रों पर कुल 450 अग्निशामक यंत्र उपलब्ध कराए गए

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

15 जनवरी को होने वाले मीरा भाईंदर महानगरपालिका के आम चुनाव में अग्नि सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दमकल विभाग किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह सजग हो गया है। भारत निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में, मतदान प्रक्रिया 15 जनवरी 2026 को सुबह 7:30 बजे से शाम 5:30 बजे तक संपन्न होगी। चुनावों के मद्देनजर, अग्निशमन विभाग ने संभावित आपदा और अग्नि सुरक्षा प्रबंधन के लिए विशेष उपाय लागू किए हैं।

सुरक्षा के कड़े इंतजाम

शहर के 180 मतदान केंद्रों पर कुल 450 अग्निशामक यंत्र (Fire Extinguishers) उपलब्ध कराए गए हैं। इन यंत्रों के प्रभावी संचालन हेतु 180 अग्निशमन कर्मियों को नियुक्त किया गया है। साथ ही, प्रत्येक रिटर्निंग ऑफिसर के कार्यालय के स्ट्रांग रूम की सुरक्षा के लिए तीन-तीन दमकल कर्मियों की तैनाती की गई है। इस पूरी व्यवस्था की देखरेख के लिए सात दमकल स्टेशन अधिकारियों को नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, नगर निगम के सभी सात दमकल स्टेशनों में 12 कर्मी चौबीसों घंटे कार्यरत रहेंगे।

चुनाव का गणित

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, शहर में कुल 8,19,151 मतदाता हैं। कुल 24 वार्डों के लिए 95 सदस्यों का चुनाव होगा। इसमें वार्ड संख्या 1 से 23 तक प्रत्येक से चार-चार सदस्य और वार्ड संख्या 24 से तीन सदस्य चुने जाएंगे। चुनाव प्रक्रिया के सुचारू संचालन के लिए, शहर के 180 विभिन्न स्थानों पर कुल 958 मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन सभी केंद्रों पर बुनियादी सुविधाएँ, सुरक्षा व्यवस्था और आवश्यक प्रशासनिक तंत्र तैयार कर लिया गया है। दमकल विभाग के प्रमुख डॉ. प्रकाश बोराडे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासन ने विभिन्न स्तरों पर यह सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियाँ की हैं कि चुनाव प्रक्रिया सुरक्षित, व्यवस्थित और भयमुक्त वातावरण में संपन्न हो।

पश्चिम रेलवे का मेजर ब्लॉक

कांदिवली–बोरीवली सेक्शन पर छठी लाइन का चल रहा है कार्य

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा कांदिवली और बोरीवली के बीच छठी लाइन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 20 दिसंबर 2025 से 18 जनवरी 2026 तक 30 दिनों का विशेष ब्लॉक लिया जा रहा है। मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, इस परियोजना के महत्वपूर्ण चरण के रूप में 13/14 जनवरी और 14/15 जनवरी, 2026 की मध्यरात्रि को कांदिवली और मालाड के बीच 'प्वाइंट डिस्मैंटलिंग' का कार्य किया जाएगा। यह कार्य अप और डाउन फास्ट लाइनों पर निर्धारित समय (मुख्यतः रात 12:00 से सुबह 05:30 के बीच) किया जाएगा, जिससे इस दौरान ट्रेनों की आवाजाही नियंत्रित रहेगी।

उपनगरीय और मेल/एक्सप्रेस सेवाओं पर प्रभाव

इस ब्लॉक और पांचवीं लाइन के निलंबन के साथ-साथ सुरक्षा के दृष्टिगत लगाए गए गति प्रतिबंधों (Speed Restrictions) के कारण मुंबई की लाइफलाइन कही जाने वाली लोकल ट्रेन सेवाएं प्रभावित होंगी। ब्लॉक अवधि के दौरान कुछ उपनगरीय ट्रेनों को निरस्त किया गया है, जबकि अप फास्ट लाइन पर चलने वाली कई मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के समय में बदलाव की संभावना है। यात्रियों को होने वाली असुविधा को कम करने के लिए रेलवे ने परिचालन में कुछ आवश्यक फेरबदल किए हैं।

ट्रेनों का शॉर्ट टर्मिनेशन और ओरिजिनेशन

ब्लॉक के कारण लंबी दूरी की कुछ विशिष्ट ट्रेनों को उनके निर्धारित गंतव्य से पहले रोकने या अन्य स्टेशन से शुरू करने का निर्णय लिया गया है। 13 और 14 जनवरी को नंदुरबार–बोरीवली (19426) और अहमदाबाद–बोरीवली (19418) एक्सप्रेस वसई रोड पर ही अपनी यात्रा समाप्त करेंगी। इसी प्रकार, 14 और 15 जनवरी को बोरीवली से प्रस्थान करने वाली नंदुरबार एक्सप्रेस (19425) और अहमदाबाद एक्सप्रेस (19417) बोरीवली के बजाय वसई रोड से अपनी यात्रा शुरू करेंगी।

अनिल अंबानी को राहत के खिलाफ बैंक पहुंचे हाई कोर्ट

- धोखाधड़ी वाले खातों पर सुनवाई 14 जनवरी को

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र के तीन प्रमुख बैंकों—इंडियन ओवरसीज बैंक, आईडीबीआई बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा—ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में एक महत्वपूर्ण अपील दायर की है। बैंकों ने उद्योगपति अनिल अंबानी और रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड के बैंक खातों को 'धोखाधड़ी' (Fraud) के रूप में वर्गीकृत करने की कार्यवाही पर लगी रोक को हटाने की मांग की है। यह अपील एकल पीठ द्वारा दिसंबर 2025 में दिए गए उस आदेश के खिलाफ है, जिसमें आरबीआई के नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए अंबानी और उनकी कंपनी को अंतरिम राहत प्रदान की गई थी।

फोरेंसिक ऑडिट की वैधता पर बैंकों का तर्क

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के दौरान तीनों बैंकों ने तर्क दिया कि खातों को 'धोखाधड़ी' घोषित करने का निर्णय एक कानूनी रूप से वैध फोरेंसिक ऑडिट पर आधारित था। बैंकों के अनुसार, 'बीडीओ एलएलपी' द्वारा प्रस्तुत ऑडिट रिपोर्ट में धन की हेराफेरी और दुरुपयोग के गंभीर निष्कर्ष सामने आए हैं। बैंकों ने अदालत को बताया कि अनिल अंबानी ने एकल पीठ के समक्ष केवल तकनीकी आधार पर ऑडिट को चुनौती दी थी, जबकि रिपोर्ट के तथ्य बेहद संवेदनशील और वित्तीय अनियमितताओं की पुष्टि करने वाले हैं।

बैंकों द्वारा जारी की गई है कारण बताओ नोटिस

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए हाई कोर्ट ने संक्षिप्त दलीलें सुनने के बाद अगली सुनवाई 14 जनवरी को तय की है। विवाद की जड़ बैंकों द्वारा जारी किए गए वे कारण बताओ नोटिस हैं, जिनमें रिलायंस कम्युनिकेशंस के खातों को धोखाधड़ी वाले खाते घोषित करने का प्रस्ताव दिया गया था। एकल पीठ ने पहले इन नोटिसों पर यह कहते हुए रोक लगा दी थी कि यह प्रक्रिया आरबीआई के अनिवार्य दिशानिर्देशों का उल्लंघन करती है। अब खंडपीठ को यह तय करना है कि क्या बैंकों की कार्यवाही और ऑडिट रिपोर्ट कानूनी रूप से सही थी या नहीं।

स्वीप टीम का ठाणे में महा-जागरूकता अभियान

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे मनपा आम चुनाव 2025-26 में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप (SVEEP) टीम द्वारा शहर के विभिन्न प्रभागों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। आयुक्त सौरभ राव और नोडल अधिकारी डॉ. मिताली संचेती के मार्गदर्शन में वागले, वर्तकनगर और मानपाड़ा क्षेत्रों में नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने के लिए जमीनी स्तर पर प्रयास किए गए। इस अभियान के दौरान विशेष रूप से वागले सर्किल, पेट्रोल पंप और चेक नाका जैसे सार्वजनिक स्थानों पर 'मतदान अधिकार ऐप' का लाइव प्रदर्शन किया गया, जिससे नागरिकों ने मौके पर ही ऐप डाउनलोड कर मतदाता सूची में नाम जांचने और केंद्र की जानकारी प्राप्त करने की विधि सीखी। इसके अतिरिक्त, मानपाड़ा के सेंट जेवियर्स स्कूल में विद्यार्थियों के माध्यम से अभिभावकों को मतदान के लिए प्रेरित कर सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित की गई।

भाजपा का चुनावी घोषणापत्र जारी

डीबीडी संवाददाता | उल्हासनगर

आगामी महानगरपालिका चुनावों के लिए भाजपा ने अपना आधिकारिक घोषणापत्र जारी कर दिया है। विधायक कुमार आयलानी, जिलाध्यक्ष राजेश वधर्या और चुनाव प्रमुख प्रदीप रामचंदानी द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत इस विजन डॉक्यूमेंट को "एक भारत – श्रेष्ठ भारत" की संकल्पना पर आधारित किया गया है। पार्टी ने उल्हासनगर को एक आधुनिक और आदर्श महानगर के रूप में विकसित करने के लिए एक स्पष्ट और दूरदर्शी रोडमैप नागरिकों के सामने रखा है, जिसमें शहर के सर्वांगीण विकास का संकल्प लिया गया है।

विकास के मुख्य बिंदु और प्राथमिकताएं

इस घोषणापत्र में शहर की बुनियादी समस्याओं के समाधान और सुविधाओं के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। पार्टी ने स्वच्छता, सुचारू जलापूर्ति, बेहतर सड़क नेटवर्क और यातायात प्रबंधन को अपनी प्राथमिकताओं में रखा है। इसके अलावा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करने जैसी कल्याणकारी योजनाओं को भी शामिल किया गया है। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य उल्हासनगर को स्वच्छ, सुरक्षित और सक्षम बनाना है।

अंबरनाथ नगर परिषद

- शिवसेना-एनसीपी और निर्दलीय साथ आए
- गठबंधन में अब बहुमत से ज्यादा पार्षद

सत्ता से दूर हुई बीजेपी

डीबीडी संवाददाता | अंबरनाथ

अंबरनाथ नगर परिषद की सत्ता को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राकांपा (NCP) ने एक निर्दलीय पार्षद के साथ मिलकर एक नया गुट बनाया है। शिवसेना के एक वरिष्ठ स्थानीय नेता ने इस गठबंधन की पुष्टि करते हुए बताया कि नगर परिषद की सत्ता पर अपना दावा मजबूत करने के लिए यह रणनीतिक कदम उठाया गया है। इस नए गुट के गठन की आधिकारिक जानकारी जिला प्रशासन को लिखित रूप में दे दी गई है।

बहुमत का गणित और पार्षदों की संख्या

इस नए राजनीतिक गठजोड़ के बाद नगर परिषद में सत्ता का समीकरण पूरी तरह बदल गया है। शिवसेना, एनसीपी और निर्दलीय पार्षद के एक साथ आने से इस गुट के पास पार्षदों की कुल संख्या 32 हो गई है। दूसरी ओर, भारतीय जनता पार्टी (BJP) के पास फ़िलहाल 27 पार्षदों का बल है, जिसमें कांग्रेस से भाजपा में शामिल हुए 12 पार्षद और एक निर्दलीय सदस्य शामिल हैं। संख्या बल के आधार पर अब शिंदे-पवार गठबंधन का पलड़ा भाजपा के मुकाबले काफी भारी नजर आ रहा है।

▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 307 ▸▸मुंबई, मंगलवार, 13 जनवरी 2026 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

कुल मतदाता

1, 03, 44,315

- पुरुष – 55,16,707
- महिला – 48,26,509
- अन्य – 1099
- उम्मीदवार 1700
- पुरुष उम्मीदवार 822
- महिला उम्मीदवार – 878
- मतदान केंद्र- 2,278
- मतदान केंद्र – 10,231

4,500 स्वयंसेवकों की नियुक्ति

समावेशी मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन ने दिव्यांगजनों, गर्भवती महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों को विशेष प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। मतदान केंद्रों पर भीड़ प्रबंधन और बुजुर्गों की सहायता के लिए 4,500 स्वयंसेवकों को नियुक्त किया गया है, जो मतदाताओं को कतारों में व्यवस्थित करने का काम करेंगे।

चुनावी रणभेरी के लिए बीएमसी तैयार

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम (BMC) चुनाव के लिए अब केवल दो से तीन दिन का समय शेष रह गया है। नगर निगम प्रशासन ने आधिकारिक तौर पर घोषणा की है कि मतदान के लिए सभी आवश्यक तैयारियाँ पूरी कर ली गई हैं। 15 जनवरी को होने वाले इस महापर्व को लेकर शहर में उत्साह का माहौल है और प्रशासन किसी भी प्रकार की कमी नहीं छोड़ना चाहता।

विशाल मानव संसाधन और प्रशिक्षण

चुनाव प्रक्रिया को सुचारू रूप से चलाने के लिए प्रशासन ने 64 हजार से अधिक कर्मचारियों की भारी-भरकम फौज तैनात की है। बैकअप और सुचारू संचालन के लिए अब तक लगभग 80 हजार कर्मियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है। विधानसभा चुनाव की तुलना में इस बार मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ाई गई है ताकि मतदाताओं को लंबी कतारों से राहत मिल सके।

64 हजार से अधिक कर्मचारियों की भारी-भरकम फौज तैनात

1.3 करोड़ मतदाता करेंगे 1700 उम्मीदवार की किस्मत का फैसला

1 करोड़ से अधिक नागरिक करेंगे मतदान

इस बार के चुनाव में मुंबई के कुल 1 करोड़ 3 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। लैंगिक आधार पर देखें तो इस सूची में 55 लाख पुरुष और 48 लाख महिला मतदाता शामिल हैं। बीएमसी आयुक्त भूषण गगरानी ने शहर के नागरिकों से लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए भारी संख्या में बाहर आने और मतदान करने की विशेष अपील की है।

वार्ड और उम्मीदवार : कड़ा मुकाबला तय

मुंबई के कुल 227 वार्डों में 15 जनवरी को मतदान होना है। चुनावी मैदान में कुल 1700 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें दिलचस्प बात यह है कि महिला उम्मीदवारों की संख्या (878) पुरुष उम्मीदवारों (822) से अधिक है। वोटों की गिनती अगले दिन, यानी 16 जनवरी को की जाएगी।

2278 स्थानों पर कुल 10,231 मतदान केंद्र स्थापित

प्रशासन ने पूरी मुंबई में 2278 स्थानों पर कुल 10,231 मतदान केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र सरकारी इमारतों के साथ-साथ निजी सोसायटियों और भवनों में भी बनाए गए हैं। आयुक्त भूषण गगरानी ने पुष्टि की है कि रिटर्निंग अधिकारियों ने इन केंद्रों का निरीक्षण कर लिया है और वहां पीने के पानी, रोशनी और प्रतीक्षालय जैसी बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित की हैं।

मोबाइल फोन और सुरक्षा निर्देश

सुरक्षा और गोपनीयता को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने मतदाताओं से आग्रह किया है कि वे मतदान केंद्र पर मोबाइल फोन लेकर न आएं। आयुक्त ने स्पष्ट किया कि यदि मोबाइल लाना अत्यंत आवश्यक हो, तो उसे केंद्र के भीतर बंद (Switch Off) रखा जाए। हालांकि चुनाव आयोग ने इस पर कोई सख्त पाबंदी नहीं लगाई है, फिर भी इसे सावधानी के तौर पर सुझाया गया है।

भीड़ प्रबंधन के लिए टोकन व्यवस्था

अतिरिक्त आयुक्त अश्विनी जोशी ने जानकारी दी है कि यदि शाम के समय मतदान केंद्रों पर भारी भीड़ उमड़ती है, तो परिसर में मौजूद सभी मतदाताओं को टोकन आवंटित किए जाएंगे। टोकन मिलने के बाद, निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद कतार में खड़े अंतिम व्यक्ति को भी अपना वोट डालने का अधिकार दिया जाएगा।

जिला परिषद और पंचायत समिति का चुनाव टला

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। अदालत ने राज्य निर्वाचन आयोग (SEC) की याचिका पर सुनवाई करते हुए जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनावों को संपन्न कराने के लिए समय सीमा बढ़ा दी है। अब आयोग को इन चुनावों की प्रक्रिया पूरी करने के लिए 15 फरवरी 2026 तक का समय दिया गया है। इससे पहले शीर्ष अदालत ने सभी चुनाव 31 जनवरी तक निपटाने के निर्देश दिए थे, लेकिन व्यावहारिक कठिनाइयों को देखते हुए आयोग ने अतिरिक्त समय की मांग की थी।

आरक्षण का पेच और संवैधानिक चुनौती

चुनावों में देरी का सबसे मुख्य कारण आरक्षण की सीमा से जुड़ा तकनीकी और कानूनी पेच है। राज्य की 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों में 50 प्रतिशत आरक्षण लागू है, लेकिन 20 जिला परिषदों में यह सीमा 50 प्रतिशत से अधिक हो गई है। इस संवैधानिक चुनौती के कारण चुनाव प्रक्रिया को सही ढंग से लागू करना मुश्किल हो रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जहाँ आरक्षण की सीमा पार हो रही है, उन मामलों की सुनवाई अलग से की जाएगी, लेकिन चुनाव प्रक्रिया को रोकना नहीं चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने मानी निर्वाचन आयोग की बात

संसाधनों और ईवीएम की उपलब्धता

राज्य निर्वाचन आयोग ने अदालत को बताया कि चुनाव कराने के लिए बड़े पैमाने पर संसाधनों की आवश्यकता है। अधिकारियों के अनुसार, इन चुनावों के लिए लगभग 35 हजार मतदान केंद्रों पर कम से कम 70,000 ईवीएम और 1.5 लाख कर्मचारियों की जरूरत होगी। 'इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड' (ECIL) से नई ईवीएम मशीनों की आपूर्ति 15 जनवरी के बाद शुरू होने की उम्मीद है, जिसके बाद ही मतदान की प्रक्रिया सुचारू रूप से शुरू की जा सकेगी।

दो चरणों में चुनाव और कर्मचारियों की तैनाती

महाराष्ट्र में चुनावी कैलेंडर काफी व्यस्त है। 15 जनवरी को मुंबई (BMC) सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के महत्वपूर्ण चुनाव होने हैं। आयोग की योजना है कि जैसे ही नगर निकायों के चुनाव संपन्न होंगे, वहां तैनात कर्मचारियों को तुरंत जिला परिषद और पंचायत समिति के चुनावी ड्यूटी में लगाया जाएगा। इस रणनीति के तहत जिला परिषद और पंचायत समितियों के चुनाव फरवरी के दूसरे सप्ताह में कराए जाने की प्रबल संभावना है।

महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव की घोषणा मंगलवार को होने की संभावना

महाराष्ट्र राज्य चुनाव आयोग (एसईसी) मंगलवार को 12 जिला परिषदों और 125 पंचायत समितियों के चुनावों का कार्यक्रम घोषित कर सकता है। एसईसी सूत्रों के अनुसार चूंकि 12वीं कक्षा की राज्य बोर्ड परीक्षाएं 10 फरवरी से शुरू हो रही हैं, इसलिए इन स्थानीय निकायों के लिए मतदान 5 फरवरी को होने की संभावना है।

32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के चुनाव लंबित

वर्तमान में, महाराष्ट्र भर में 32 जिला परिषदों और 336 पंचायत समितियों के चुनाव लंबित हैं। इनमें से 20 जिला परिषदों और 211 पंचायत समितियों में 50 प्रतिशत आरक्षण सीमा से अधिक सीटें हैं, और इन सीटों पर चुनाव सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार होंगे। जिन जिलों में चुनाव होंगे, वे हैं पुणे मंडल: पुणे, सतारा, सांगली, सोलापुर और कोल्हापुर; कोंकण डिवीजन: रायगढ़, रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग; और छत्रपति संभाजी नगर डिवीजन: छत्रपति संभाजी नगर, परभणी, धाराशिव और लातूर।

लाडली बहनों को नहीं मिलेंगे 1500 रुपये

▸▸चुनाव आयोग ने लगाई रोक

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहिण (लाडली बहन) योजना की लाभार्थी महिलाओं को मकर संक्रांति पर 3000 मिलने की अटकलों पर विराम लग गया है। आगामी महानगरपालिका चुनावों के मद्देनजर, राज्य निर्वाचन आयोग ने जनवरी माह का लाभ अग्रिम रूप से देने पर रोक लगा दी है। आयोग ने स्पष्ट किया है कि 4 नवंबर 2025 के आदेशानुसार, चुनाव आचार संहिता से पहले शुरू हुई योजनाएं जारी रह सकती हैं, इसलिए नियमित या पिछला बकाया लाभ तो दिया जा सकता है, लेकिन चुनाव के दौरान वोटरों को लुभाने के उद्देश्य से भविष्य का भुगतान पहले नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है जिनमें दावा किया गया था कि सरकार 14 जनवरी से पहले ही दो महीनों की राशि एक साथ जमा करने की योजना बना रही है।

नए लाभार्थियों के चयन पर भी रोक

राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा मुख्य सचिव से मांगे गए स्पष्टीकरण के बाद यह साफ हो गया है कि योजना के क्रियान्वयन में आचार संहिता के नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। आयोग के निर्देशानुसार, योजना का सुचारू संचालन तो होगा, लेकिन इस अवधि में किसी भी प्रकार का 'अग्रिम भुगतान' नहीं किया जाएगा। इसके साथ ही, जब तक चुनाव प्रक्रिया संपन्न नहीं हो जाती, तब तक योजना के तहत 'नए लाभार्थियों' का चयन करने या उनकी सूची मंष नाम जोड़ने की प्रक्रिया पर भी पूरी तरह रोक रहेगी।

कांग्रेस ने सरकार को बताया 'स्वार्थी भाई'

महानगरपालिका चुनावों से पहले योजना की राशि को लेकर छिड़ी इस बहस के बीच कांग्रेस ने महायुति सरकार पर तीखा हमला बोला है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने सरकार को स्वार्थी भाईर करार देते हुए आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल महिलाओं को योजना का प्रलोभन देकर वोट बटोरने की कोशिश कर रहा है। कांग्रेस का दावा है कि सरकार ने जानबूझकर दो महीने तक राशि का वितरण नहीं किया ताकि चुनाव के समय भारी-भरकम राशि बांटकर राजनीतिक लाभ लिया जा सके।

ब्रीफ न्यूज़

एससी/एसटी आरक्षण मामले में केंद्र और राज्यों को नोटिस

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए आरक्षण से क्रीमी लेयर को बाहर किए जाने की मांग पर विचार करने पर सहमति जताई। शीर्ष अदालत ने इस मामले में केंद्र और सभी राज्य सरकारों को नोटिस जारी कर अपना अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। शीर्ष अदालत ने एससी/एसटी आरक्षण से क्रीमी लेयर बाहर करने की मांग को लेकर दाखिल जनहित याचिका को पहले से लंबित एक अन्य जनहित याचिका के साथ सुनवाई करने का फैसला किया है।

इसरो का PSLV-C62 रॉकेट रास्ते से भटका, मिशन फेल

श्रीहरिकोटा। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (ISRO) का साल 2026 का पहला मिशन 'PSLV-C62' फेल हो गया है। रॉकेट 12 जनवरी को सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 16 सैटेलाइट लेकर उड़ा था। ISRO चीफ डॉ. वी नारायणन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चिंग के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई, जिसके कारण वह रास्ता भटक गया। पिछले साल 18 मई को भी ISRO का PSLV-C61 मिशन तकनीकी खराबी के कारण तीसरी स्टेज में ही फेल हुआ था। इस मिशन में EOS-09 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को 524 किमी की सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था।

किशोरी पेडनेकर के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना की प्रवक्ता सूसी शाह ने सोमवार को बॉम्बे हाई कोर्ट में प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (यूबीटी) की उम्मीदवार और मुंबई की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर के खिलाफ याचिका दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि पेडनेकर ने आगामी महानगर पालिका चुनाव के लिए जमा किए गए अपने नामांकन पत्र में दर्ज एफआईआर की जानकारी छिपाई है। किशोरी पेडनेकर ने बीएमसी के वार्ड क्रमांक 199 (मध्य मुंबई) से अपना नामांकन दाखिल किया है। याचिकाकर्ता का दावा है कि उन्होंने महत्वपूर्ण कानूनी तथ्यों को छिपाकर चुनावी प्रक्रिया का दुरुपयोग किया है।

नामांकन पत्र में जानकारी छिपाने का आरोप

अदालत का तत्काल सुनवाई से इनकार

मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष इस याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता के वकील कल्पेश जोशी ने दलील दी कि मामले की गंभीरता को देखते हुए इस पर तुरंत संज्ञान लिया जाए।

गंभीर अपराधों को छिपाने का दावा

याचिका में अदालत से रिटर्निंग ऑफिसर को यह निर्देश देने का अनुरोध किया गया था कि पूर्व महापौर के नामांकन फॉर्म को अवैध और अमान्य घोषित किया जाए। याचिका के मुताबिक, पेडनेकर ने अपने चुनावी हलफनामे में जानबूझकर कई गंभीर अपराधों और लंबित मामलों का उल्लेख नहीं किया है। इनमें कोरोना महामारी के दौरान हुई कथित धोखाधड़ी से संबंधित मामले भी शामिल हैं। याचिकाकर्ता का तर्क है कि झूठा और गुमराह करने वाला हलफनामा जमा करने के कारण पेडनेकर के पास चुनाव लड़ने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है।

राज ठाकरे और अन्नामलाई के बीच सियासी जंग

'रसमलाई' से 'पैर काटने' तक पहुँचा विवाद

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र महानगरपालिका चुनाव के बीच तमिलनाडु भाजपा के अध्यक्ष के. अन्नामलाई और मनसे प्रमुख राज ठाकरे के बीच छिड़ी जुबानी जंग ने सियासी पारा गरमा दिया है। चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अन्नामलाई ने राज ठाकरे को उन्हें मुंबई आने से रोकने की चुनौती दी। अन्नामलाई ने कड़े लहजे में कहा, ₹आदित्य और राज ठाकरे मुझे धमकी देने वाले कौन होते हैं?

क्या है विवाद?

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब राज ठाकरे ने एक रैली के दौरान अन्नामलाई के मुंबई से जुड़े बयानों पर तंज कसते हुए उन्हें 'रसमलाई' कह दिया था। ठाकरे ने अन्नामलाई के बाहरी होने पर सवाल उठाते हुए अपने चाचा बालासाहेब ठाकरे के 1960-70 के दशक के प्रसिद्ध नारे रहटाओ लुंगी, बजाओ पुंगीर का जिक्र किया। राज ठाकरे ने कड़े शब्दों में कहा कि तमिलनाडु से आए लोगों का मुंबई के मुद्दों से क्या लेना-देना?

कोस्टल रोड पर 'सुप्रीम' फैसला

रीक्लेम्ड भूमि पर जनता का अधिकार सर्वोपरि: सुको

व्यावसायीकरण और निजी उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को स्पष्ट किया कि मुंबई कोस्टल रोड (साउथ) के पास स्थित रीक्लेम्ड भूमि, जिसे रिलायंस इंडस्ट्रीज़ को लैंडस्केपिंग के लिए सौंपा गया है, सामान्य रूप से आम जनता के लिए खुली रहनी चाहिए। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस अतुल एस. चंद्राकर की खंडपीठ ने 30 सितंबर 2022 के अपने पुराने आदेश को दोहराते हुए कहा कि इस भूमि का वर्तमान या भविष्य में किसी भी प्रकार का आवासीय या व्यावसायिक उपयोग नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने जोर देकर कहा कि यह क्षेत्र केवल सार्वजनिक उपयोग और सौंदर्यीकरण के लिए ही विकसित किया जाएगा, जिससे इस जमीन के निजीकरण की किसी भी संभावना को खारिज कर दिया गया है।

सार्वजनिक पहुंच और बीएमसी की निगरानी

अदालत ने "धर्मवीर स्वराज्यरक्षक छत्रपति संभाजी महाराज मुंबई कोस्टल रोड (साउथ)" परियोजना के संदर्भ में कहा कि कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के तहत विकास के लिए दिया गया क्षेत्र जनता के लिए उपलब्ध रहेगा। खंडपीठ ने निर्देश दिया कि केवल उन हिस्सों में अस्थायी प्रतिबंध लगाया जा सकता है जहाँ निर्माण या रखरखाव का कार्य जारी हो। साथ ही, यह भी स्पष्ट किया गया कि ऐसे सभी कार्य बृहन्मुंबई महानगरपालिका के सीधे निर्देश और कड़ी निगरानी में किए जाएंगे, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि प्रबंधन और नियंत्रण पूरी तरह से सार्वजनिक संस्था के पास ही रहे।

ऐतिहासिक डील ▸ भारतीय नौसेना को मिलने जा रही हैं छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां

समंदर में भी नहीं बचेंगे भारत के दुश्मन

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारत की समुद्री सुरक्षा को अभूतपूर्व मजबूती देने वाली एक ऐतिहासिक डील होने वाली है। प्रोजेक्ट 75(I) के तहत भारतीय नौसेना को छह अत्याधुनिक स्टील्थ पारंपरिक पनडुब्बियां मिलने जा रही हैं। इनका निर्माण जर्मनी की थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (TKMS) के साथ साझेदारी में मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (MDL) में किया जाएगा। यह मेगा डील लगभग 8 बिलियन डॉलर (करीब 72,000 करोड़ रुपये) की है, जो भारतीय रक्षा इतिहास की सबसे बड़ी पनडुब्बी परियोजनाओं में से एक है। बता दें कि जर्मन

चांसलर फ्रेडरिक मर्ज इस वक्त भारत की यात्रा पर हैं। रक्षा सूत्रों के अनुसार, मर्ज की इस यात्रा के दौरान अंतिम अनुबंध पर हस्ताक्षर होने की संभावना नहीं है, लेकिन अगले तीन महीनों में इसे पूरा किया जा सकता है।

मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी पनडुब्बियां

इन पनडुब्बियों की सबसे बड़ी खासियत एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (AIP) तकनीक है, जिसकी बदौलत ये लंबे समय तक बिना सतह पर आए समुद्र की गहराइयों में ऑपरेट कर सकेंगी। यही उन्नत AIP तकनीक इस प्रोजेक्ट के इतने लंबे समय तक अटके रहने का मुख्य कारण रही। दरअसल, भारतीय नौसेना ऐसी पनडुब्बियां चाहती थीं जो ज्यादा स्टील्थ वाली हों, कम शोर पैदा करें और दुश्मन की नजरों से लंबे समय तक छिपी रह सकें। इतना ही नहीं, ये छह पनडुब्बियां पूरी तरह भारत में मझगांव डॉकयार्ड में ही बनेंगी, जिससे 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

सत्ता की सीमाएं और नैतिकता का प्रश्न

अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बयान और प्रतीकात्मक दावे अक्सर कूटनीतिक मर्यादाओं को चुनौती देते हैं, लेकिन यदि कोई निर्वाचित नेता स्वयं को किसी दूसरे संप्रभु देश का राष्ट्रपति घोषित करने जैसा दावा करता है, तो यह न केवल आपत्तिजनक बल्कि गहराई से अनैतिक भी है। डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा स्वयं को वेनेजुएला का राष्ट्रपति घोषित किए जाने का कथित दावा इसी श्रेणी में आता है। चाहे यह बयान राजनीतिक व्यंग्य के रूप में दिया गया हो या सत्ता-प्रदर्शन की अतिशयोक्ति के रूप में, इसका निहितार्थ बेहद खतरनाक है। किसी भी संप्रभु राष्ट्र की सत्ता वहां की जनता की इच्छा से तय होती है, न कि किसी बाहरी नेता की घोषणा से। वेनेजुएला एक स्वतंत्र देश है, जिसकी अपनी राजनीतिक, संवैधानिक और सामाजिक संरचना है। किसी अन्य देश के नेता द्वारा खुद को वहां का राष्ट्रपति बताना सीधे-सीधे उस देश की संप्रभुता का अपमान है। यह व्यवहार औपनिवेशिक मानसिकता की याद दिलाता है, जहां ताकतवर राष्ट्र कमजोर देशों पर नैतिक और राजनीतिक श्रेष्ठता थोपने की कोशिश करते रहे हैं। यह कथित बयान अंतरराष्ट्रीय कानून और लोकतांत्रिक मूल्यों दोनों के खिलाफ जाता है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर स्पष्ट रूप से कहता है कि हर देश की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान किया जाना चाहिए। किसी भी तरह का ऐसा दावा, जो दूसरे देश की वैध सरकार और जनता के अधिकारों को नकारता हो, वैश्विक व्यवस्था को अस्थिर करने वाला है। यह न केवल वेनेजुएला के लिए, बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गलत संदेश देता है कि ताकत के बल पर कुछ भी कहा और किया जा सकता है। नैतिक दृष्टि से भी यह रवैया अस्वीकार्य है। लोकतंत्र केवल अपने देश के भीतर चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि यह दूसरों के लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान करना भी सिखाता है। यदि कोई नेता स्वयं को दूसरे देश का राष्ट्रपति बताने लगे, तो यह लोकतंत्र का मजाक उड़ाने जैसा है। यह उन करोड़ों लोगों के संघर्ष और बलिदान को नकारता है, जो अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ते हैं। ऐसे बयान वैश्विक राजनीति में गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार को बढ़ावा देते हैं। पहले से ही युद्ध, आर्थिक संकट और जलवायु परिवर्तन से जूझ रही दुनिया को और अधिक अस्थिरता की आवश्यकता नहीं है। बड़े देशों के नेताओं से अपेक्षा की जाती है कि वे संयम, जिम्मेदारी और नैतिकता का परिचय दें, न कि ऐसे बयान दें जो अंतरराष्ट्रीय तनाव को हवा दें। यह भी याद रखना चाहिए कि वेनेजुएला लंबे समय से आर्थिक और राजनीतिक संकट से गुजर रहा है। वहां की जनता महंगाई, बेरोजगारी और संसाधनों की कमी से परेशान है। ऐसे में किसी बाहरी नेता द्वारा इस तरह का दावा करना उनकी पीड़ा पर नमक छिड़कने जैसा है। यह मानवीय संवेदना के भी खिलाफ है। अंततः, अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शब्दों का वजन बहुत होता है। एक गैर-जिम्मेदार बयान केवल सुर्खियां नहीं बनाता, बल्कि देशों के बीच अविश्वास और टकराव को भी जन्म देता है। यदि वैश्विक नेतृत्व को विश्वसनीय और नैतिक बनाना है, तो ऐसे बयानों की स्पष्ट निंदा होनी चाहिए। सत्ता का वास्तविक मूल्य दूसरों पर दावा करने में नहीं, बल्कि अपने आचरण से लोकतांत्रिक और नैतिक आदर्श स्थापित करने में है।

शख्सियत | थॉमस जेफरसन

लोकतंत्र और स्वतंत्रता के वैचारिक शिल्पकार

थॉमस जेफरसन (13 जनवरी 1743–4 जुलाई 1826) विश्व इतिहास के उन महान व्यक्तियों में शामिल हैं, जिन्होंने राजनीति, दर्शन और समाज सुधार के माध्यम से मानवता के लिए स्थायी योगदान दिया। वे केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति ही नहीं थे।

स्वतंत्रता की चेतना के अग्रदूत, लोकतंत्र के दार्शनिक और शिक्षा के प्रबल समर्थक भी थे। उनका जीवन विचारों, सिद्धांतों और नैतिकता की निरंतर खोज का प्रतीक था। जेफरसन का जन्म वर्जीनिया में एक संपन्न कृषक परिवार में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने घर पर प्राप्त की, और बाद में विलियम एंड मैरी कॉलेज में अध्ययन किया। वहां उन्होंने कानून, दर्शन और विज्ञान का गहन अध्ययन किया और यूरोपीय दार्शनिकों, विशेषकर जॉन लॉक के विचारों से गहरा प्रभावित हुए। लॉक के प्राकृतिक अधिकारों और सरकार की जनसिद्ध वैधता के सिद्धांतों ने जेफरसन के राजनीतिक दर्शन को आकार दिया। उन्होंने विश्वास किया कि हर मनुष्य को जीवन, स्वतंत्रता और सुख की खोज का मूल अधिकार प्राप्त है, और यही विचार बाद में उनकी सबसे बड़ी रचना, अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा-पत्र, में परिलक्षित हुआ। 1776 में जेफरसन ने स्वतंत्रता घोषणा-पत्र का मसौदा तैयार किया, जिसने केवल अमेरिकी उपनिवेशों की स्वतंत्रता का मार्ग प्रशस्त नहीं किया, बल्कि पूरी दुनिया में लोकतांत्रिक और नागरिक अधिकारों के सिद्धांत को नई पहचान दी। इस दस्तावेज़ ने स्पष्ट किया कि सभी मनुष्य समान पैदा होते हैं और उन्हें स्वतंत्रता, जीवन और अपने भाग्य का निर्माण करने का अधिकार है। यह पत्र न केवल अमेरिकी क्रांति का नैतिक आधार बना, बल्कि फ्रांसीसी क्रांति और अन्य स्वतंत्रता आंदोलनों पर भी प्रभाव डालने वाला साबित हुआ।

राजनीतिक जीवन में जेफरसन ने कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। वे अमेरिका के पहले विदेश मंत्री बने, उसके बाद उपराष्ट्रपति और अंततः 1801 में राष्ट्रपति चुने गए। उनके राष्ट्रपति कार्यकाल की सबसे बड़ी उपलब्धि लुइसियाना खरीद (1803) थी, जिसने अमेरिका के क्षेत्रफल को दोगुना कर दिया और देश को विश्व स्तर पर मजबूत किया। इसके अलावा, उन्होंने कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था, सीमित सरकार और नागरिक स्वतंत्रताओं पर जोर दिया। उनका मानना था कि लोकतंत्र तभी जीवित रह सकता है जब नागरिक शिक्षित, स्वतंत्र और जिम्मेदार हों। धर्म और राज्य के संबंध में जेफरसन का दृष्टिकोण अत्यंत स्पष्ट और प्रगतिशील था। वे पूरी तरह धर्मनिरपेक्ष राज्य के समर्थक थे। उनका कहना था कि धर्म व्यक्तिगत आस्था का विषय है और सरकार को इसमें हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। उन्होंने वर्जीनिया धर्मनिरपेक्षता अधिनियम के माध्यम से इस सिद्धांत को लागू करने का प्रयास किया, जिसे बाद में आधुनिक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्रों के लिए मार्गदर्शक माना गया। हालांकि, जेफरसन का जीवन विरोधाभासों से मुक्त नहीं था। वे दास प्रथा के आलोचक थे और इसे नैतिक रूप से गलत मानते थे, लेकिन व्यक्तिगत रूप से अपने जीवन में दासों की पूरी आज़ादी सुनिश्चित नहीं कर पाए। यह उनके जीवन का सबसे बड़ा विरोधाभास था, लेकिन उन्होंने इसके खिलाफ विचारशील और ऐतिहासिक दस्तावेजों में विरोध व्यक्त किया।

मुंबई महानगर पालिका चुनाव

आंकड़ों की राजनीति में उलझी जनता, लक्ष्य सिर्फ सत्ता

अमित बृज
कार्यकारी संपादक

मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) का चुनाव केवल एक नगर निकाय का चुनाव नहीं है, बल्कि यह देश की सबसे समृद्ध शहरी सत्ता पर नियंत्रण की लड़ाई है। बीएमसी का वार्षिक बजट करीब 50 से 55 हजार करोड़ रुपये के आसपास रहता है, जो कई छोटे राज्यों के बजट से भी अधिक है। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं कि राज ठाकरे, उद्धव ठाकरे, एकनाथ शिंदे, देवेंद्र फडणवीस, समाजवादी पार्टी और अन्य दल इस चुनाव को लेकर इतने आक्रामक क्यों हैं। लेकिन इन सबके बीच जनता के सवाल, उसकी तकलीफें और उसकी अपेक्षाएं कहीं पीछे छूटती दिख रही हैं। यदि हम पिछले चुनाव, यानी 2017 के बीएमसी चुनाव के आंकड़ों पर नजर डालें, तो सत्ता की इस होड़ की जड़ें और साफ हो जाती हैं। बीएमसी की कुल 227 सीटों में उस समय शिवसेना 84 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। भारतीय जनता पार्टी ने 82 सीटें जीतकर शिवसेना को कड़ी टक्कर दी थी। कांग्रेस को 31 सीटें मिली थीं, जबकि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) 9 सीटों पर सिमट गई थी। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) को 7 सीटें मिली थीं। समाजवादी पार्टी ने 6 सीटें जीती थीं, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) को 2 सीटें मिली थीं, जबकि कुछ सीटें अन्य दलों और निर्दलीयों के खाते में गई थीं। इन आंकड़ों से साफ है कि बीएमसी पर सीधा नियंत्रण पाने के लिए किसी भी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं था, लेकिन शिवसेना ने लंबे समय तक सत्ता पर पकड़ बनाए रखी। यही वजह है कि आज शिवसेना का विभाजन होने के बाद यह चुनाव और भी ज्यादा अहम हो गया है। उद्धव ठाकरे गुट के लिए बीएमसी वह आखिरी मजबूत किला माना जा रहा है, जहां से वे यह साबित कर सकते हैं कि मुंबई और मराठी अस्मिता अब भी उनके साथ है। उनके लिए यह चुनाव राजनीतिक अस्तित्व का सवाल बन चुका है। दूसरी ओर, एकनाथ शिंदे गुट के लिए बीएमसी चुनाव सत्ता की वैधता का प्रमाण है। विधानसभा में बहुमत के सहारे सरकार बनाना एक बात है, लेकिन देश की आर्थिक राजधानी की नगर पालिका जीतना दूसरी। शिंदे गुट जानता है कि यदि वह बीएमसी में मजबूत उपस्थिति दर्ज करता है, तो उसका दावा और मजबूत होगा कि असली शिवसेना वही है। यही कारण है कि यह चुनाव उनके लिए सिर्फ स्थानीय निकाय का नहीं, बल्कि भविष्य की राजनीति का आधार है। भारतीय जनता पार्टी, जो 2017 में 82 सीटों के साथ दूसरी सबसे बड़ी पार्टी थी, इस बार बीएमसी पर पूरी तरह कब्जा करने का सपना देख रही है। भाजपा लंबे समय से मुंबई जैसे महानगर में अपना मेयर बनाने का लक्ष्य रखती आई है। देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में पार्टी यह मानती है कि शिंदे गुट के साथ गठबंधन उसे यह अवसर दे सकता है। भाजपा के लिए बीएमसी केवल नगर प्रशासन नहीं, बल्कि आर्थिक और राजनीतिक शक्ति का केंद्र है, जहां से वह महाराष्ट्र की राजनीति को लंबे समय तक प्रभावित कर सकती है। राज ठाकरे और मनसे की स्थिति भी आंकड़ों के आईने में समझी जा सकती है। 2017 में केवल 7 सीटें जीतने वाली मनसे के लिए यह चुनाव 'करो या मरो' जैसा है। मुंबई में मराठी वोट बैंक का बड़ा हिस्सा कभी मनसे की ओर देखा जाता था, लेकिन बीते वर्षों में यह आधार कमजोर पड़ा है। बीएमसी चुनाव उनके लिए फिर से प्रासंगिक बनने का अवसर है। हालांकि, उनकी राजनीति भी सत्ता के समीकरणों के इर्द-गिर्द घूमती नजर आती है, न कि स्पष्ट शहरी विकास मॉडल के इर्द-गिर्द। समाजवादी पार्टी और अन्य छोटे दलों की भूमिका संख्या में भले ही सीमित हो, लेकिन कई वार्डों में वे निर्णायक साबित होते हैं। 2017 में सपा की 6 सीटें थीं, लेकिन झुग्गी बस्तियों, अल्पसंख्यक इलाकों और श्रमिक वर्ग में उसका प्रभाव गठबंधन की राजनीति में अहम हो जाता है। यही वजह है कि बड़े दल इन्हें नजरअंदाज नहीं कर सकते। फिर भी, इन दलों की राजनीति भी अक्सर सौदेबाजी तक सिमट जाती है, जहां जनता के मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। इन सभी आंकड़ों के बीच सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मुंबई की आबादी करीब 1.25 करोड़ से अधिक है, लेकिन उनकी मूलभूत समस्याएं जस की तस बनी हुई हैं। हर साल मानसून में जलभराव, टूटी सड़कें, भीड़भाड़ वाला परिवहन, महंगा आवास और असमान विकास—ये सब मुद्दे हर चुनाव में उठते हैं, लेकिन सत्ता मिलते ही प्राथमिकता सूची से बाहर हो जाते हैं। बीएमसी का विशाल बजट जनता के जीवन को आसान बनाने के बजाय राजनीतिक ताकत का प्रतीक बन जाता है। अंततः यह चुनाव आंकड़ों की जोड़-घटाव से कहीं बड़ा सवाल खड़ा करता है। क्या यह लड़ाई मुंबई को बेहतर बनाने के लिए है, या फिर 227 सीटों और हजारों करोड़ के बजट पर नियंत्रण के लिए? आज की राजनीति को देखकर यही लगता है कि लगभग हर दल का लक्ष्य सत्ता है—सीधी या परोक्ष। जनता इस खेल में केवल एक संख्या बनकर रह जाती है, जिसे वोट प्रतिशत में गिना जाता है।

जीवन मंत्र

प्राचीन ग्रंथ भी यही सिखाते हैं कि क्रोध को नियंत्रित करना और आत्मनियंत्रण के माध्यम से उसका सकारात्मक रूप देना जीवन में सबसे बड़ा साहस है।

क्रोध और जीवन : संतुलन की कला

क्रोध मनुष्य की स्वाभाविक प्रतिक्रिया है, परंतु जब यह अनियंत्रित हो जाता है, तो यह जीवन की ऊर्जा को नष्ट करने वाला शक्तिशाली तत्व बन जाता है। क्रोध अक्सर परिस्थितियों, दूसरों के व्यवहार या हमारी अपेक्षाओं के अधूरे होने से उत्पन्न होता है। यह हमारी सोच को धूमिल कर देता है, मानसिक शांति छीन लेता है और संबंधों में दरार पैदा करता है। लेकिन यदि हम क्रोध को सकारात्मक ऊर्जा में बदलना सीख जाएँ, तो यह जीवन को प्रेरणा और शक्ति देने वाला साधन बन सकता है। क्रोध तब उपयोगी होता है जब वह हमें न्याय के लिए कार्य करने, असत्य के विरोध में खड़े होने और स्वयं को सुधारने के लिए प्रेरित करे। यह ऊर्जा हमें आलस्य, उदासीनता और डर से बाहर निकाल सकती है। प्राचीन ग्रंथ भी यही सिखाते हैं कि क्रोध को नियंत्रित करना और आत्मनियंत्रण के माध्यम से उसका सकारात्मक रूप देना जीवन में सबसे बड़ा साहस है। योग, ध्यान और गहरी साँसों की तकनीकें क्रोध को शांत करने और उसे रचनात्मक क्रिया में बदलने का मार्ग दिखाती हैं। जब क्रोध शांत हो जाता है, तब मन और शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है, विचार स्पष्ट होते हैं और कार्यों में तेजी आती है। इस प्रकार, क्रोध को नकारात्मक समझकर दबाने की बजाय, सावधानी और विवेक से उसका रूपांतरण करना जीवन को शक्ति और ऊर्जा देने वाला साधन बन सकता है। यह हमें मानसिक मजबूती, आत्मविश्वास और जीवन में संतुलन प्रदान करता है। अंततः, क्रोध जीवन की आग है; इसे अनियंत्रित छोड़ दें तो जलन फैलता है, लेकिन यदि समझदारी से उसे उष्मा और ऊर्जा में बदलें, तो यह जीवन के लिए अद्भुत प्रेरणा बन सकता है।

जीवन ऊर्जा | ऑरलैंडो ब्लूम : जन्म 13 जनवरी 1977 | जन्म

ऑरलैंडो ब्लूम (जन्मः 13 जनवरी 1977) केवल एक सफल हॉलीवुड अभिनेता नहीं हैं, बल्कि वे ऐसे कलाकार हैं जिनकी सोच अभिनय से आगे जीवन, प्रकृति और मानवीय मूल्यों तक जाती है। लॉर्ड ऑफ द रिंग्स और पाइरेट्स ऑफ द कैरेबियन जैसी फिल्मों से वैश्विक प्रसिद्धि पाने के बावजूद उन्होंने हमेशा आत्ममंथन, विनम्रता और संतुलन को महत्व दिया।

संवेदनशील अभिनेता, प्रकृति-प्रेमी और आत्मचिंतक व्यक्तित्व

संयुक्त राष्ट्र के गुडविल एम्बेसडर भी रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण, शांति तथा आत्मिक विकास पर खुलकर बोलते हैं। उनके विचार आज की भौतिकतावादी दुनिया में ठहराव और सोच का अवसर देते हैं। मैं प्रसिद्धि को अपनी पहचान नहीं बनने देता; मेरे लिए पहचान वह है जो इंसान अकेले में होता है। अभिनय मेरे लिए केवल पेशा नहीं, बल्कि स्वयं को समझने की एक सतत प्रक्रिया है। सफलता का अर्थ तालियों से नहीं, बल्कि भीतर की संतुष्टि से तय होता है। डर जीवन का हिस्सा है, लेकिन उसके आगे झुक जाना आवश्यक नहीं। मैं परिपूर्ण होने से अधिक प्रामाणिक होने में विश्वास करता हूं। असली ताकत शोर में नहीं, शांति में होती है। प्रसिद्धि क्षणिक है, पर मूल्य स्थायी होते हैं। हर भूमिका मुझे जीवन को देखने का नया दृष्टिकोण देती है। प्रकृति के साथ जुडाव मुझे याद दिलाता है कि हम इस धरती के स्वामी नहीं, बल्कि उसके संरक्षक हैं। विनम्रता सीखने की सबसे ऊंची अवस्था है। जीवन में संतुलन सबसे बडी उपलब्धि है। मैं वही काम करना चाहता हूं जिसमें दिल और आत्मा दोनों शामिल हों। आत्मविश्वास दिखावा नहीं करता, वह मौन में खडा रहता है। हर इंसान भीतर कुछ खोज रहा है और यही खोज उसे मानव बनाती है। शांति सबसे बडा विलास है। गलतियां हमें कमजोर नहीं, बल्कि अधिक मानवीय बनाती हैं। प्रसिद्ध होना लक्ष्य नहीं, सकारात्मक प्रभाव छोडना लक्ष्य होना चाहिए। जब आप रुककर सांस लेते हैं, तभी जीवन स्पष्ट दिखाई देता है। आत्म-अनुशासन ही सच्ची स्वतंत्रता की नींव है। मैं सीख रहा हूं कि कम होना भी पर्याप्त हो सकता है। जीवन केवल उपलब्धियों का संग्रह नहीं, अनुभवों की एक गहरी यात्रा है। जब आप दूसरों की मदद करते हैं, तब आप स्वयं को बेहतर समझते हैं। समय हमें बदलता नहीं, वह हमें उजागर करता है। भीतर की शांति बाहरी सफलता से कहीं अधिक मूल्यवान है। सच्चाई सरल होती है, जटिलता अहंकार से आती है। हर दिन बेहतर इंसान बनने का अवसर देता है। मैं जीवन को हल्केपन के साथ गंभीरता से लेना चाहता हूं। आत्मचिंतन के बिना प्रगति अधूरी रहती है। मनुष्य होने का अर्थ है संवेदनशील होना। असली पहचान वही है जो संकट के समय सामने आती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

नंदी जी का अद्भुत उद्भव : भक्ति, तपस्या और महादेव की कृपा की कथा

प्राचीन काल में एक तेजस्वी और धर्मपरायण ऋषि, शिलाद, तपस्या में लीन थे। वे जितेंद्रिय और विवेकपूर्ण थे, और अपनी साधना के बल पर संसार के सभी ज्ञान में पारंगत हो चुके थे। एक दिन उनके पितरों ने उनसे वंश वृद्धि की कामना व्यक्त की। ऋषि ने पितरों की इच्छा का सम्मान किया, लेकिन उन्होंने साधारण संतान नहीं चाही। उनका मन था कि उनका पुत्र 'अयोनिज'—अर्थात् गर्भ से उत्पन्न न होने वाला—हो, जो मृत्यु से मुक्त, अमर और भगवान शिव के समान तेजस्वी हो। ऋषि शिलाद ने इस अद्भुत संतान प्राप्ति के लिए भगवान शिव की घोर तपस्या आरंभ की। उनकी तपस्या इतनी तीव्र थी कि तीनों लोक उद्वेलित हो उठे। तब स्वयं महादेव प्रकट हुए और मुस्कुराते हुए बोले कि उनके समान तेजस्वी कोई और नहीं, इसलिए वे स्वयं शिलाद के पुत्र के रूप में जन्म लेंगे। समय आने पर एक चमत्कार हुआ। जब ऋषि शिलाद यज्ञ हेतु भूमि तैयार कर रहे थे, तो भूमि के गर्भ से एक अत्यंत दिव्य बालक प्रकट हुआ। उसके तीन नेत्र, चार भुजाएं, जटाएं और साक्षात महादेव जैसी तेजस्विता थी। ऋषि ने उसे देखकर अत्यंत हर्ष अनुभव किया और उसका नाम रखा 'नंदी'—आनंद देने वाला। नंदी जी ने अपनी अल्पायु में ही संपूर्ण वेद और शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त कर लिया। उनका तेज और बुद्धिमत्ता सभी ऋषियों को चकित कर देती थी। लेकिन नियति ने उन्हें एक कठिन परीक्षा दी—दिव्य ऋषियों ने शिलाद को बताया कि नंदी की आयु केवल आठ वर्ष ही है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

यह सुनकर ऋषि शिलाद दुख से हतप्रभ हो गए। लेकिन नंदी ने अपने पिता को ढांढस बंधाया और कहा, जिस महादेव ने मुझे जन्म दिया, वही मेरी मृत्यु का समाधान भी करेंगे। बालक नंदी वन में चले गए और भुवन नदी के किनारे 'रुद्र मंत्र' का अखंड जाप करने लगे। उन्होंने अन्न-जल त्यागकर पूर्ण समाधि में लीन हो गए। उनकी तपस्या इतनी प्रबल थी कि पूरा ब्रह्मांड डोल उठा। अंततः भगवान शिव और माता पार्वती प्रकट हुए। महादेव ने नंदी को अपने हृदय से लगा लिया और कहा, 'जिसे स्वयं शिव ने जन्म दिया हो, उसे काल का भय कैसा?' महादेव ने नंदी को अजर-अमर होने का वरदान दिया और उन्हें गणाध्यक्ष घोषित किया। रत्नों वाली माला पहनाकर उन्हें 'नंदीश्वर' का नाम दिया गया। आज भी हर शिवालय में नंदी जी का स्थान महादेव के ठीक सामने होता है, क्योंकि उनकी आज्ञा के बिना कोई दर्शन नहीं कर सकता। यह कथा हमें सिखाती है कि सच्ची भक्ति और समर्पण किसी भी बाधा को पार कर सकता है। नंदी जी केवल महादेव के वाहन नहीं, बल्कि भक्त और भगवान के मिलन का प्रतीक हैं। जब भक्ति में निष्ठा और तपस्या हो, तो मृत्यु भी वरदान में बदल जाती है।

अपने विचार

कोविड-19 महामारी के समय पराली जलाने का काम अपने चरम पर था, फिर भी दिल्ली में आसमान साफ और नीला था, जिससे पता चलता है कि प्रदूषण के स्रोत ज़्यादा जटिल हैं और उन्हें गहरे विश्लेषण की ज़रूरत है। पहले प्रदूषण के असली कारणों की पहचान की जाए और फिर प्रभावी समाधानों की दिशा में काम किया जाए।

-जस्टिस सूर्यकांत
CJI, सुप्रीम कोर्ट

'उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे भाई हैं। उनकी माताएं बहने हैं। यह परिवार का मामला है। मैं दोनों का मित्र हूं। अगर उनके एक होने में मेरी कोई भी भूमिका है, तो मैं खुद को भाग्यशाली मानूंगा।'संगठन मजबूत है हमारा। आज भी हम मुंबई बंद कर सकते हैं 10 मिनट में।' यह सबसे बड़ा

-संजय राउत,नेता
शिवसेना (यूबीटी)

' मुंबई बंद करना छोड़ दीजिए, इनके घर के आसपास भी ये लोग बंद नहीं कर पाए। ये सारी बोलने वाली बाते हैं। देखिए, जिस समय बाला साहब ठाकरे थे, तब की शिवसेना की ताकत थी कि बाला साहब ठाकरे के एक इशारे पर दो घंटे में मुंबई बंद हो सकती थी। अब इनमें किसी में दम नहीं है।

-देवेन्द्र फडणवीस,
सीएम, महाराष्ट्र

भौंकने वाले, कभी काटते नहीं है। देश को इस्लामी राज्य में बदलने का प्रयास बुर्का पहने प्रधानमंत्री की धमकी से शुरू होता है। ओवैसी हमें यह कहकर डराने की कोशिश कर रहे हैं कि अगर कल कोई बुर्का पहनी महिला प्रधानमंत्री बन जाती है, तो सभी को जबरन धर्म परिवर्तन कराया जाएगा।

-नितेश राणे
मंत्री, महाराष्ट्र

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िमेदार).

लापरवाह कर्मचारियों पर प्रशासन सख्त

- लापरवाही बरतने वाले 6,871 कर्मचारियों को नोटिस
- 4,521 पर होगी पुलिस की कार्रवाई

बीएमसी चुनाव

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई नगर निगम चुनाव की प्रक्रिया के बीच प्रशासन ने अपना सख्त रुख अपना लिया है। चुनावी कर्तव्यों का पालन न करने वाले कुल 6,871 अधिकारियों और कर्मचारियों को 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया गया है। नगर निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि संवैधानिक जिम्मेदारी में किसी भी प्रकार की कोताही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और नियम तोड़ने वालों पर कानूनी गाज गिरेगी।प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कुल नोटिस प्राप्त कर्मचारियों में से केवल 2,350 ने प्रक्रिया में भाग लिया है। 12 जनवरी से लगातार दिए जा रहे निर्देशों के बावजूद, जो 4,521 अधिकारी और कर्मचारी प्रशिक्षण या चुनावी ड्यूटी से गायब रहे हैं, उनके खिलाफ अब पुलिस कार्रवाई (FIR) करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। 15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रशिक्षण का पहला और दूसरा चरण पूरा हो चुका है। चुनाव ड्यूटी के लिए नियुक्त सभी कर्मियों के लिए इन सत्रों में भाग लेना अनिवार्य था। प्रशासन ने 10 जनवरी को अनुपस्थित कर्मचारियों को अंतिम अवसर भी दिया था, लेकिन इसके बावजूद कई लोग ड्यूटी पर नहीं लौटे।

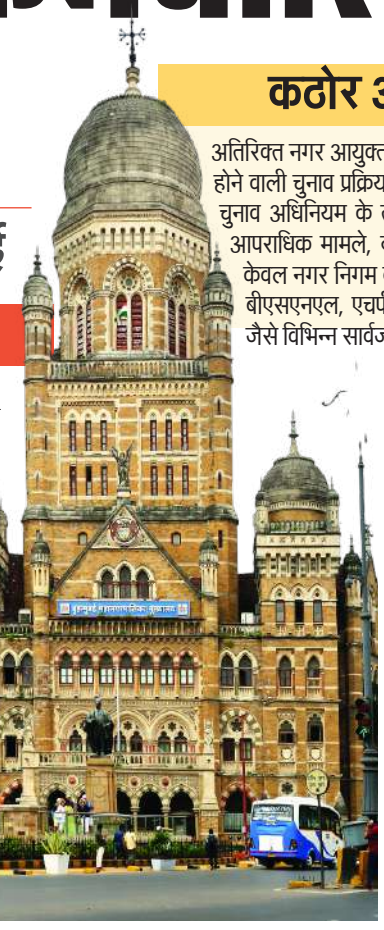

कठोर अनुशासनात्मक चेतावनी

अतिरिक्त नगर आयुक्त डॉ. अश्विनी जोशी ने पहले ही चेतावनी दी थी कि 11 जनवरी से शुरू होने वाली चुनाव प्रक्रिया के दौरान अनुपस्थित रहने या काम में उपेक्षा करने वालों के खिलाफ चुनाव अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। तदनुसार, अब विभाग ने आंतरिक आपराधिक मामले, दंडात्मक कार्रवाई और विभागीय जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई केवल नगर निगम कर्मचारियों तक सीमित नहीं है। इसमें नेशनल बैंक, बेस्ट (BEST), बीएसएनएल, एचपीसीएल, एलआईसी, म्हाडा (MHADA), रेलवे, और डाक विभाग जैसे विभिन्न सार्वजनिक और अर्ध-सरकारी उपक्रमों के कर्मचारी भी शामिल हैं।

निष्पक्ष चुनाव के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता

डॉ. अश्विनी जोशी ने स्पष्ट किया कि प्रशासन मुंबई में भयमुक्त, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव संपन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की देरी या आदेशों का उल्लंघन अनुशासनहीनता माना जाएगा। सभी कर्मचारियों को सौंपे गए कर्तव्यों को तुरंत स्वीकार करने और उन्हें ईमानदारी से निभाने का आदेश दिया गया है। मुंबई में इस बार मतदाताओं की संख्या लगभग 1 करोड़ 3 लाख से अधिक है, जिसके प्रबंधन के लिए भारी संख्या में कर्मचारियों की आवश्यकता है।

बीएमसी चुनाव 2026: आपको क्या जानना चाहिए

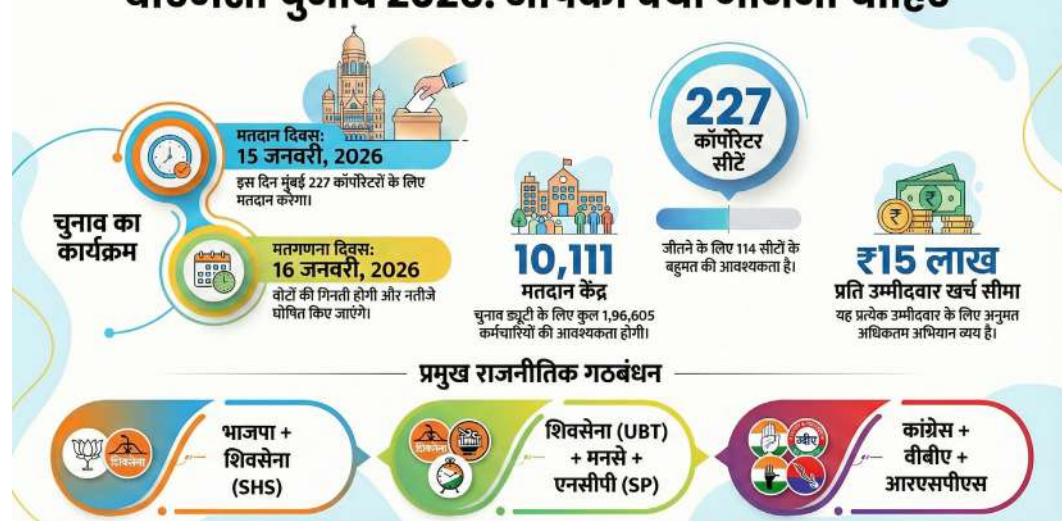

मोहम्मद अजहरुद्दीन और इमरान प्रतापगढ़ी ने किया कांग्रेस का प्रचार

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर और तेलंगाना के मंत्री मोहम्मद अजहरुद्दीन ने आगामी 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में कांग्रेस की जीत की प्रबल उम्मीद जताई है। सोमवार को अजहरुद्दीन और राज्यसभा सदस्य इमरान प्रतापगढ़ी ने दक्षिण मुंबई के मुंबादेवी इलाके में एक विशाल रोड शो का नेतृत्व किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय कांग्रेस उम्मीदवारों के पक्ष में जनता से समर्थन मांगा। पूर्व क्रिकेटर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वर्तमान राजनीतिक माहौल पार्टी की सत्ता में वापसी के लिए पूरी तरह अनुकूल दिखाई दे रहा है।

प्रचार के दौरान अजहरुद्दीन ने विभाजनकारी और सांप्रदायिक मुद्दों पर तीखा हमला बोला। हिजाब जैसे विवादित विषयों का जिक्र करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि एक लोकतांत्रिक देश में सामुदायिक ध्रुवीकरण के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनता के वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने वाले ऐसे विषयों पर प्रतिक्रिया देना भी उचित नहीं है। उनका मानना है कि मुंबई की जनता विकास और समावेशी राजनीति को प्राथमिकता देगी।

न्यूज़ ब्रीफ

मध्य रेल की आय में 5% की वृद्धि

मुंबई। मध्य रेल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान (दिसंबर 2025 तक) शानदार प्रदर्शन करते हुए यात्री राजस्व और यातायात में महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की है। इस अवधि में कुल यात्री राजस्व 5,881.08 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वर्ष की तुलना में 5% से अधिक की वृद्धि दर्शाता है; इसमें उपनगरीय सेवाओं से 757.12 करोड़ रुपये और गैर-उपनगरीय सेवाओं से 5,123.96 करोड़ रुपये का योगदान रहा। यात्रियों की संख्या में भी 2% की वृद्धि दर्ज की गई, जहाँ मध्य रेल ने कुल 1227 मिलियन यात्रियों (1073 मिलियन उपनगरीय और 154 मिलियन गैर-उपनगरीय) को उनके गंतव्य तक पहुँचाया। विशेष रूप से केवल दिसंबर 2025 के महीने में राजस्व में 20% की भारी उछाल देखी गई, जो पिछले वर्ष के 604.40 करोड़ रुपये के मुकाबले बढ़कर 723.27 करोड़ रुपये तक पहुँच गई।

सीएसएमटी पर यात्रियों के लिए 'रिलैक्स ज़ोन' की शुरुआत

मुंबई! मध्य रेल को 'गैर-किराया राजस्व' के तहत नवीन अवधारणाएं शुरू करने का गौरव प्राप्त है। इसी कड़ी में, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने और राजस्व बढ़ाने के उद्देश्य से छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (CSMT) पर अत्याधुनिक रिलैक्स ज़ोनञ का शुभारंभ किया गया है। यात्री सुविधाओं में सुधार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। 'क्विक रेस्ट' द्वारा प्रबंधित यह नई सुविधा थके हुए यात्रियों को तरोताजा अनुभव प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। यहाँ अत्याधुनिक 'फुल-बॉडी मसाज चेयर' उपलब्ध हैं, जो यात्रा की थकान, मांसपेशियों के खिंचाव और मानसिक तनाव को दूर करने में सहायक सिद्ध होंगी। सीएसएमटी स्थित यह 'रिलैक्स ज़ोन' उन्नत मसाज तकनीक और स्वच्छता के मानकों से सुसज्जित है। यहाँ आरामदायक और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए बैठने की विशेष व्यवस्था की गई है। यह सुविधा मात्र 99 से शुरू होने वाले किफायती दामों पर त्वरित मसाज सत्र प्रदान करती है, जो लंबी यात्रा के बाद या सफर शुरू करने से पहले आराम के इच्छुक यात्रियों के लिए एक आदर्श विकल्प है।

मंत्री पंकजा मुंडे के पीए अनंत गर्जे ने मांगी जमानत

मुंबई। महाराष्ट्र की मंत्री पंकजा मुंडे के निजी सहायक अनंत गर्जे ने सोमवार को अदालत में जमानत याचिका दायर की। उन पर अपनी डॉक्टर पत्नी की आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप है। गर्जे ने कहा है कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप अस्पष्ट और बिना ठोस आधार के हैं और यह मामला दुखद घटना के बाद पैदा हुए भावनात्मक तनाव का नतीजा है।

आचार संहिता के तहत भारी जब्ती

46 करोड़ के ड्रग्स और 3 करोड़ नकद बरामद

मुंबई। आगामी 15 जनवरी को होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनावों से पहले मतदाताओं को लुभाने की कोशिशों पर प्रशासन ने कड़ा प्रहार किया है। नगर निकाय ने सोमवार को जानकारी दी कि शहर के विभिन्न हिस्सों से अब तक 45.95 करोड़ रुपये मूल्य के नशीले पदार्थ और 3.10 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी जब्त की गई है। सतर्क चुनाव अधिकारियों और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 8.03 लाख रुपये मूल्य की 1,237 लीटर शराब भी बरामद हुई है। बीएमसी प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि चुनाव को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए 148 फ्लाइंग स्क्वाड और 181 स्टैटिक सर्विलांस टीमें चौबीसों घंटे निगरानी कर रही हैं।

अपराधियों पर शिकंजा और सुरक्षा इंतजाम

चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए मुंबई पुलिस ने व्यापक सुरक्षा उपाय किए हैं। अब तक 29 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, जिनमें 16 संज्ञेय और 13 गैर-संज्ञेय अपराध शामिल हैं। सबसे बड़ी नकद जब्ती जोगेश्वरी (के-ईस्ट वार्ड) से हुई, जहाँ 20 लाख रुपये बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने 36 आग्नेयास्त्र, 115 धारदार हथियार और 52 कारतूस भी जब्त किए हैं।

'बॉम्बे' को 'मुंबई' राम नाईक ने करवाया, शिवसेना ने नहीं : फडणवीस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई को गुजरात में मिलाने और उसका नाम बदलकर पुनः 'बॉम्बे' करने की उद्धव ठाकरे की आशंकाओं का मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कड़ा उत्तर दिया है। फडणवीस ने स्पष्ट किया कि शहर का नाम 'बॉम्बे' से 'मुंबई' करने का श्रेय भाजपा के वरिष्ठ नेता राम नाईक को जाता है, न कि शिवसेना को। सोमवार को एक साक्षात्कार में मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्धव ठाकरे केवल भावनात्मक मुद्दों के सहारे मराठी वोट बैंक को साधने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब नाम बदलने का ऐतिहासिक कार्य भाजपा के नेता के प्रयासों से हुआ, तो भाजपा द्वारा इसे पुनः बदलने का प्रश्न ही नहीं उठता।

राम नाईक का ऐतिहासिक प्रयास और 'चरैवेति चरैवेति'

उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री राम नाईक ने इस संदर्भ में ऐतिहासिक तथ्यों को साझा किया। उन्होंने बताया कि लोकसभा सदस्य रहते हुए उन्होंने सबसे पहले आधिकारिक दस्तावेजों में 'बम्बई' के स्थान पर 'मुंबई' लिखे जाने की मांग की थी। तत्कालीन लोकसभा अध्यक्ष रवि राय ने उनकी दलील को स्वीकार किया, जिसके बाद संसद के कामकाज में सभी भाषाओं में 'मुंबई' शब्द का उपयोग शुरू हुआ। राम नाईक ने अपनी पुस्तक 'चरैवेति चरैवेति' में उल्लेख किया है कि यहीं से आधिकारिक नामांतरण की नींव पड़ी। हालांकि, महाराष्ट्र की तत्कालीन मनोहर जोशी सरकार ने प्रस्ताव केंद्र को भेजा था, लेकिन कांग्रेस सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया था।

1995 का अध्यादेश और अंतिम सुधार

राम नाईक के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप 15 दिसंबर 1995 को केंद्र सरकार ने अध्यादेश जारी कर 'बॉम्बे' के स्थान पर 'मुंबई' नाम के उपयोग को अनिवार्य किया। बावजूद इसके, हिंदी वर्तनी में 'मुम्बई' जैसी त्रुटियां रह गई थीं। राम नाईक ने बताया कि 1999 में गृह राज्यमंत्री का पदभार संभालने के बाद, उन्होंने 28 मई 1999 को एक नया आदेश जारी कर सभी आधिकारिक भाषाओं में एक समान 'मुंबई' लिखने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री फडणवीस ने इन्ही तथ्यों के आधार पर उद्धव ठाकरे के आरोपों को निराधार बताया।

Change Of Name

I HAVE CHANGED MY NAME FROM OLD NAME JITENDRA ARUN SHAH TO NEW NAME JITENDRA KUMAR ARUN SHAH AS PER MAHARASHTRA GOVERNMENT GAZETTE NO. M-25400553

मध्य रेल

एमएसयू का प्रावधान

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85257593 /2026 due on 10.02.2026. निविदा विवरण:** अनुबंध ए के अनुसार एमएसयू का प्रावधान (3 चरण मेधा मेमू)। **मात्रा:** 1 Set. **नियत तारीख:** 10.02.2026. **राशि:** 5674380. AK-818

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च.स्टा.) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070, खुली ई - निविदा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से आमंत्रित करते हैं। **खुली ई-निविदा सूचना क्र.: कुर्ला-आरएस-वर्क्स -2025-05, दि. 29.12.2025. कार्य का विवरण:** 3 फेज़ इ एम यू रेक में लगे डी' कैब एयर कंडीशनर (क्षमता 2.2/2/1.25 टी आर) के लिए 02 साल की अवधि के लिए कॉम्प्रिहेंसिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट (सी ए एम सी)। **कार्य की औसत लागत:** रु. 58,41,451.99 (जीएसटी साहित)। **बोली प्रतिभूति:** रु. 1,16,800/-. **वैधता:** 60 दिन। **समापन अवधि:** 24 महीने। **अनुदेश: 1. उपरोक्त निविदा 20.01.2026 को 11:00 बंद हो जायेगी तथा उसके बाद 11.15 को खोली जाएगी। 2.** भावी निविदाकर्ताओ से अनुरोध है कि निविदा के विवरण एवं शुद्धीपत्र (यदि कोई हो तो) की अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** को देखें। **3.** निविदाकर्ता केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक रूप से उपरोक्त ई-निविदा में भाग ले सकते हैं और ई-निविदा के लिए मैन्युअल प्रस्ताव प्रस्तुत करने की अनुमति नहीं है। मैन्युअल रूप से प्रस्तुत किए जाने पर न तो खोला जाएगा और न ही उस पर विचार किया जाएगा। **4.** आगे की अधिक जानकारी के लिए वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (क.च. स्टा) ई एम यु कुर्ला कारशेड मध्य रेल मुंबई - 400070 पर संपर्क कर सकते हैं। **5.** औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग (डीआईपीपी) द्वारा 'स्टार्टअप' के रूप में मान्यता प्राप्त किसी भी फर्म को ऊपर वर्णित बोली सुरक्षा के भुगतान से छूट दी जाएगी। श्रम सहकारी समितियां ऊपर वर्णित उपरोक्त बोली सुरक्षा का केवल 50% ही जमा करेंगी। अधिक जानकारी के लिए जीसीसी कार्य 2022 या इसके नवीनतम संशोधन देखें। **6.** यह निविदा सार्वजनिक खरीद नीति आदेश 2017 दिनांक 15.06.2017 का अनुपालन करती है। AK-812

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मुंबई चुनाव से पहले सियासत तेज

बीजेपी को चुनाव में आती है बांग्लादेशी घुसपैठियों की याद: कांग्रेस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

कांग्रेस ने बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दों को लेकर भाजपा पर बड़ा हमला बोला है। कांग्रेस का कहना है कि भाजपा केवल चुनाव के समय ही बांग्लादेशी घुसपैठियों को मुद्दा बनाती है और चुनाव खत्म होने के बाद इसे भूल जाती है। पार्टी ने मुंबई में भाजपा-शिंदे गठबंधन सरकार पर भी भ्रष्टाचार और जनता के पैसे की लूट के गंभीर आरोप लगाए। मुंबई में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को कहा कि भाजपा केवल चुनाव के समय बांग्लादेशियों को याद करती है, और फिलहाल पश्चिम बंगाल में चुनाव होने के कारण यह मुद्दा फिर सामने आया है। उन्होंने पूछा कि अगर वास्तव में बांग्लादेशी घुसपैठिए मौजूद हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह क्या कर रहे हैं और इस मामले में उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।

खेड़ा ने भाजपा और शिंदे गुट पर लगाए गंभीर आरोप

इस दौरान खेड़ा ने आरोप लगाया कि मुंबई की जमीन, उद्योग और पैसा एक गुजराती दोस्त को सौंपा जा रहा है और भाजपा-शिंदे सरकार करोड़ों रुपये की लूट कर रही है। उन्होंने कहा कि मुंबई के लोग अब बदलाव चाहते हैं और आगामी 15 जनवरी के नगर निगम चुनाव में भ्रष्ट महायुति को सबक सिखाएंगे। उन्होंने बताया कि बीएमसी में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद आम नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। सड़कें गड्ढों से भरी हैं, पीने का पानी कम है, मानसून में जलभराव सामान्य हो गया है और प्रदूषण बढ़ गया है।

बीएमसी अस्पताल के निजीकरण की कोशिश : खेड़ा

खेड़ा ने यह भी आरोप लगाया कि सरकार स्कूल, BEST बसें और BMC अस्पताल निजीकरण की कोशिश कर रही है और विकास के लिए मिलने वाले फंड विपक्षी प्रतिनिधियों को नहीं दे रही है। उन्होंने कहा कि यह पैसा प्रधानमंत्री मोदी या गृह मंत्री अमित शाह का नहीं है, यह जनता का पैसा है। साथ ही उन्होंने स्थानीय निकाय चुनावों में चार साल के विलंब पर भी सवाल उठाया। ज्यादातर निगम 2022 के शुरुआत से प्रशासनिक अधिकारियों के नेतृत्व में चल रहे हैं।

मध्य रेल

ईएमयू/एमईएमयू कोचों की आंतरिक सफाई

मुख्य कारखाना प्रबंधक का कार्यालय, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: आरआर / पीआर/डब्ल्यूसी/2125/2025-26/95, दिनांक: 03.01.2026. कार्य का विवरण:** एमटीएन कार्यशाला में ईएमयू / एमईएमयू कोचों की आंतरिक सफाई। **मात्रा:** दर अनुसूची के अनुसार। **निविदा समापन/खोलने और समय की तिथि:** 26.01.2026, 9:00 बजे तक। निविदा विवरण और निविदा दस्तावेज **www.gem.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। निविदाएं वेबसाइट के माध्यम से केवल ई-टेंडरिंग प्रारूप में ही स्वीकार की जाएंगी। AK-801

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल

विनाइल ग्राफिक्स की आपूर्ति

उप मुख्य सामग्री प्रबंधक (स.मा.वि.) सवारी व मालडिब्बा कारखाना, माटुंगा, मुंबई - 400019. **निविदा सूचना क्र.: CWE /MTN/85257625 /2025 due on 30.01.2026. निविदा विवरण:** वीबी ट्रेन सेट के बाहरी हिस्सों पर विनाइल ग्राफिक्स की आपूर्ति और अनुप्रयोग, स्व-पैटर्न प्रिंट के साथ और घर्षण प्रतिरोधी ओवर लैमिनेट के साथ, आरडीएसओ/2010/सीजी-08 या नवीनतम के अनुसार, साथ ही आरसीएफ के एमडी 22151 को दिनांक 10/05/2017 को लिखे डिजाइन पत्र के पैरा 1.0 के अनुसार एंटी- ग्रेफिटी उपायों का अनुपालन और EN 45545 से R1/R7 HL3 मानकों का अनुपालन, और संलग्न तकनीकी आवश्यकता का अनुपालन। **मात्रा:** 32 CSET. **नियत तारीख:** 30.01.2026. **राशि:** 5560160. AK-809

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

गिनती भूल गया गैंगस्टर अबू सलेम

सजा पूरा होने का किया दावा, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- 2005 से 25 साल कैसे गिना

नई दिल्ली/मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को 1993 मुंबई बम धमाकों के आरोपी और कुख्यात गैंगस्टर अबू सलेम से उसके 25 साल की जेल अवधि पूरी होने के दावे पर तीखी फटकार लगाई। कोर्ट ने पूछा कि वह 25 साल की गणना अपने गिरफ्तारी के नवंबर 2005 से कैसे कर रहा है। बता दें कि सलेम को पोर्तुगल से भारत प्रत्यर्पित किया गया था। वह 11 नवंबर 2005 को भारत लाया गया था, जिसके लिए लंबी कानूनी लड़ाई चली थी। पोर्तुगल को आश्वासन दिया गया था कि सलेम को 25 साल से ज्यादा जेल नहीं होगी और मृत्युदंड नहीं दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने गैंगस्टर अबू सलेम के वकील से पूछा कि आप 25 साल की सजा की गणना 2005 से कैसे कर रहे हैं। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या इसमें अच्छे व्यवहार पर मिलने वाला रिमिशन शामिल किया गया है। इसके साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी ध्यान दिलाया कि सलेम की सजा आतंकवादी और विनाशकारी गतिविधियों निरोधक अधिनियम (टीएडीए) के तहत है और महाराष्ट्र की जेल नियमावली में यह देखना होगा कि टीएडीए मामलों में रिमिशन लागू होता है या नहीं।

वकील ने संबंधित जेल नियम पेश करने का दावा किया

वहीं सलेम के वकील ने कोर्ट को बताया कि वह संबंधित जेल नियम पेश करेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें इसे दाखिल करने के लिए दो हफ्ते का समय दिया और मामले की अगली सुनवाई 9 फरवरी 2026 को तय की। बता दें कि बीते दिनों सलेम ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी कि अगर अच्छे व्यवहार के रिमिशन को शामिल किया जाए, तो वह 25 साल की जेल पूरी कर चुका है। हाईकोर्ट ने याचिका स्वीकार की थी लेकिन अंतरिम रिहाई नहीं दी।

अब समझिए पिछली सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

गौरतलब है कि जुलाई 2022 में अलग याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि भारत सरकार पोर्तुगल को दिए गए आश्वासन के अनुसार सलेम को 25 साल की जेल पूरी होने पर रिहा करेगी। पोर्तुगल को आश्वासन दिया गया था कि उसे मृत्यु दंड या 25 साल से ज्यादा जेल नहीं होगी। इससे पहले फरवरी 2015 में स्पेशल टीएडीए कोर्ट ने सलेम को मुंबई के बिल्डर प्रदीप जैन की हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

मध्य रेल

निविदा सूचना

"मुंबई मंडल के निलजे 'एस जी 3' श्रेणी स्टेशन पर स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट (एसटीबीए) की नियुक्ति" भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पहिला मंजिल पी आर एस बिल्डिंग (आरक्षण कार्यालय मुंबई छ शि म ट मध्य रेलवे द्वारा निलजे 'एस जी-3' श्रेणी स्टेशन के लिए सीलबंद लिफाफे में स्टेशन टिकट बुकिंग एजेंट की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहे है। इछुक अभ्यर्थी निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकते है। **निविदा संख्या: बीबी/सी/373/ पीओ/ एसटीबीए/26, दिनांक 02.01.2026. श्रेणी स्टेशन:** एसजी -3. **ठेके की अवधि:** 01 वर्ष। **आवेदन पत्र की लागत:** रु.500/- . **आवश्यक जमानत राशि:** रु.5,000/-. **प्रस्ताव की वैधता:** 90 दिन। **आवेदन पत्र की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय:** 17:00 बजे तक, 29.01.2026. **आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय:** 15:00 बजे तक, 30.01.2026. **आवेदन खोलने की तिथि एवं समय:** 15:30 बजे, 30.01.2026. निविदा का विवरण नीचे दिया गया है : निविदा आवेदन पत्र ऊपर दिए गए पते पर कार्यालय अवधी में प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा की पूरी जानकारी मध्य रेलवे की वेब साइट **www.cr.indianralways.gov.in** उपलब्ध है। AK-805

असुरक्षित तथा अनाधिकृत रूप से रेल लाइन के पास कार्य करना दंडनीय अपराध है

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/2026/१५९५ सहकार कक्ष, झोपुप्रा, बृहन्मुंबई
जा.क्र.झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी.४/सन २०२६ दिनांक : १२/०१/२०२६

- : सोडत पध्दतीने सदनिका वाटपाची नोटीस : -

मागाठाणे ओम साई एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था मर्यादित, न.भू.क्र. १८० (पार्ट) अॅण्ड १८३ (पार्ट), व्हिलेज मागाठाणे, ता. बोरीवली, जय महाराष्ट्र नगर, बोरीवली (पूर्व), मुंबई-४०० ०६६ या संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट- २ व पुरवणी परिशिष्ट- २ मध्ये पात्र झालेल्या झोपडीधारक सभासदांना कळविण्यांत येते की, मा. सहाय्यक निबंधक, सहकारी संस्था (पूर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई यांचेकडील दिनांक ०२.०१.२०२६ रोजीच्या पत्रान्वये प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२ नुसार एकूण ६२ निवासी पात्र झोपडीधारकांना संस्थेचे पुनर्वसन इमारती निवासी सदनिकांचे सोडत पध्दतीने वाटप करण्यासाठी मी निम्नस्वाक्षरीकार माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यांत आलेली आहे.

सदरहू संस्थेच्या पुनर्वसन इमारती मध्ये निवासी सदनिका वाटप सोडतीचा कार्यक्रम सोमवार, दिनांक १९/०१/२०२६ रोजी ठिक दुपारी १२:०० वाजता प्राधिकरणाच्या कार्यालयात लॉटरी अलॉटमेंट पोर्टल सर्व्हर वर ऑनलाईन पध्दतीने झूम ॲप (Zoom App) वर आयोजित केलेला आहे.

विषय : झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाचे परिपत्रक क्र. १६२ नुसार ऑनलाईन झूम ॲप (Zoom App) वर सोडत पध्दतीने पुनर्वसन इमारती मध्ये एकूण ६२ निवासी सदनिकांचे वाटप करणे.

Meeting ID: 849 1156 4406
Passcode: 123456
ठिकाण : मुंबई
दिनांक : १२.०१.२०२६

सही/-
(अरुण जाधव)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी- १, झो.पु.प्रा., बृहन्मुंबई.

देश के सबसे स्वच्छ शहर में जान बचाने वाला पानी ही ले रहा जान

इंदौर में जहरीले पानी का कहर

एजेंसी । इंदौर

मध्य प्रदेश के इंदौर शहर के भागीरथपुरा क्षेत्र में दूषित पेयजल से फैली त्रासदी थमने का नाम नहीं ले रही है। सोमवार को इलाज के दौरान एक और बुजुर्ग की जान चली गई, जिसके बाद इस इलाके में संदिग्ध रूप से दूषित पानी के सेवन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 23 हो गई है। मृतक की पहचान भगवानदास भरणे (64) के रूप में हुई है, जो बीते दस दिनों से गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती थे। परिजनों के अनुसार, दूषित पानी पीने से तबीयत बिगड़ने पर पहले उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, लेकिन हालत में सुधार न होने पर उन्हें इंदौर के बॉम्बे अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल प्रशासन के मुताबिक, भर्ती के समय मरीज को कार्डियक अरेस्ट आया था, जिसके बाद सीपीआर देकर वेंटिलेटर पर रखा गया। डॉक्टरों ने बताया कि भगवानदास गैंग्रीन और मल्टी ऑर्गन फेल्योर जैसी जटिल बीमारियों से जूझ रहे थे, जिसके चलते उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

भागीरथपुरा में मृतकों की संख्या बढ़ी

इस ताजा मौत के साथ ही भागीरथपुरा में जान गंवाने वालों की सूची और लंबी हो गई है। मृतकों में महिलाएं, बुजुर्ग और एक शिशु भी शामिल हैं, जिससे इस आपदा की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। बीते दिनों 59 वर्षीय कमला बाई की मौत ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए थे। बताया गया कि पता संबंधी दस्तावेज पूरे न होने के कारण उनकी मौत को आधिकारिक रूप से दूषित पानी से जोड़कर दर्ज नहीं किया गया, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया।

स्वास्थ्य विभाग लगातार कर रहा सैंपलिंग

हालात की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीमें लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं। नगर निगम द्वारा पानी की नियमित जांच और सैंपलिंग की जा रही है, हालांकि क्षेत्रवासियों को अब भी टैंकरों के सहारे पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। नियमित जलापूर्ति कब बहाल होगी, इस पर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

13 की हालत नाजुक, तीन वेंटिलेटर पर

स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे फिलहाल आरओ, बोरिंग और बोतलबंद पानी पर निर्भर हैं। एहतियात के तौर पर पानी को छानकर और उबालकर ही इस्तेमाल किया जा रहा है। उधर, अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या भी चिंता बढ़ा रही है। वर्तमान में भागीरथपुरा के 42 मरीज अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 13 की हालत गंभीर बनी हुई है। इनमें से तीन मरीज वेंटिलेटर पर उपचाराधीन हैं।

देखते ही देखते ध्वस्त हो गया दौड़ता टैंक

- उड़ान परीक्षण में स्वदेशी एंटी-टैंक मिसाइल की अचूक मार
- सेना को जल्द मिल सकता है तीसरी पीढ़ी का घातक हथियार

नई दिल्ली। भारत की रक्षा क्षमताओं को मजबूती देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। तीसरी पीढ़ी की 'फायर एंड फॉरगेट' तकनीक से लैस मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एमपीएटीजीएम) ने हालिया उड़ान परीक्षण के दौरान अपने लक्ष्य पर सटीक प्रहार करते हुए सफलता का नया अध्याय जोड़ा है। इस परीक्षण में मिसाइल ने एक डमी टैंक को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया, जबकि इसके सभी तकनीकी और परिचालन मानक तय मानकों पर खरे उतरे।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) की हैदराबाद स्थित रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने महाराष्ट्र के अहिल्या नगर में स्थित केके रेंज में यह परीक्षण एक गतिशील लक्ष्य के विरुद्ध अंजाम दिया। परीक्षण की सफलता ने भारतीय सेना के लिए स्वदेशी तीसरी पीढ़ी की पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल के अधिग्रहण का मार्ग लगभग प्रशस्त कर दिया है।

दिन-रात हमला करने में सक्षम

परीक्षण के दौरान जिस थर्मल टारगेट सिस्टम का उपयोग किया गया, उसे डिफेंस लैबोरेटरी, जोधपुर ने टैंक लक्ष्य की नकल के लिए डिजाइन किया था। मिसाइल का इमेजिंग इंफ्रारेड सीकर दिन और रात दोनों परिस्थितियों में प्रभावी ढंग से कार्य करने में सक्षम है। इसका वारहेड आधुनिक मुख्य युद्धक टैंकों को निष्क्रिय करने की क्षमता रखता है। यह हथियार प्रणाली ट्राइपॉड या सैन्य वाहनों पर लगे लॉन्चर से दागी जा सकती है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड इस मिसाइल प्रणाली के विकास और उत्पादन में डीआरडीओ के साझेदार हैं।

2.5 किमी तक करेगी मार

तकनीकी विवरण की बात करें तो मिसाइल की अधिकतम मारक दूरी लगभग 2.5 किलोमीटर है। इसकी लंबाई करीब 1,300 मिमी है और वजन कम रखने के लिए एल्यूमीनियम व कार्बन फाइबर से बनी लॉन्च ट्यूब का उपयोग किया गया है। मिसाइल का कुल वजन 14.5 किलोग्राम है, जबकि इसकी कमांड लॉन्च यूनिट (सीएलयू) का वजन लगभग 14.25 किलोग्राम है, जो हर मौसम में काम करने वाली डिजिटल प्रणाली से लैस है। इस सफल परीक्षण पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ और उससे जुड़े उद्योगों को बधाई देते हुए इसे आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया। वहीं, डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी. कामत ने कहा कि परीक्षण के दौरान लक्ष्य को पूरी सटीकता से भेदा गया है, जिससे इस हथियार प्रणाली को भारतीय सेना में शामिल करने का रास्ता साफ हो गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

मेडिकल इमरजेंसी में एयर इंडिया की आपात लैंडिंग

नई दिल्ली। दिल्ली से विजयवाड़ा जा रही एयर इंडिया की एक उड़ान को सोमवार सुबह चिकित्सा आपात स्थिति के कारण मार्ग बदलकर जयपुर में उतारना पड़ा। विमान में यात्रा कर रहे एक बुजुर्ग यात्री की तबीयत अचानक बिगड़ने पर पायलट ने एहतियातन आपात लैंडिंग का फैसला लिया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, उड़ान संख्या एआई-2517 को जयपुर हवाईअड्डे पर सुरक्षित उतारा गया, जहां मेडिकल टीम पहले से मौजूद थी। यात्री को तुरंत विमान से उतारकर नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया। इस दौरान विमान में सवार अन्य सभी यात्री सुरक्षित रहे और किसी तरह की अव्यवस्था की सूचना नहीं मिली। एयर इंडिया की ओर से बताया गया कि यात्री को आवश्यक चिकित्सकीय सहायता उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। आवश्यक औपचारिकताएं पूरी होने के बाद आगे की उड़ान संचालन से संबंधित निर्णय लिया जाएगा। एयरलाइन ने यात्रियों से असुविधा के लिए खेद जताते हुए सहयोग के लिए धन्यवाद भी दिया है।

'AI अपनाने में भारत शीर्ष पर, नवाचार का केंद्र बनेगा यूपी'

लखनऊ। केंद्रीय आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने कहा है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के उपयोग और विस्तार के मामले में भारत विश्व में पहले स्थान पर पहुंच चुका है। उन्होंने यह बात उत्तर प्रदेश एआई एवं स्वास्थ्य नवाचार सम्मेलन 2026 के उद्घाटन अवसर पर कही, जिसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में आयोजित किया गया। जितिन प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत न केवल विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है, बल्कि एआई सेवाओं का वैश्विक केंद्र बनने की ओर भी तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि एआई का लाभ ग्रामीण भारत तक पहुंचना चाहिए, विशेषकर कृषि, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में। सम्मेलन में स्वास्थ्य और तकनीक से जुड़े राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों ने भी सहभागिता की।

एक करोड़ की 'याबा' संग तीन तस्कर गिरफ्तार

तेंगनौपाल। मणिपुर के सीमावर्ती तेंगनौपाल जिले में सुरक्षा बलों ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल की है। चेकपोस्ट पर की गई कार्रवाई के दौरान तीन तस्करों को गिरफ्तार कर करीब 5.89 किलो याबा गोलियां बरामद की गईं, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ रुपये से अधिक बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, खुफिया सूचना के आधार पर एक वाहन को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें भारी मात्रा में प्रतिबंधित नशीला पदार्थ मिला। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान जेम्स बैटे, हटनेइकिम बैटे और डेविड टी. मेट के रूप में हुई है।

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एम्स में भर्ती

एजेंसी । नई दिल्ली

पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ने के बाद उन्हें सोमवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि 10 जनवरी को उन्हें दो बार बेहोशी के दौरे पड़े थे, जिसके बाद व्यापक जांच के लिए यह कदम उठाया गया।

जगदीप धनखड़ ने 2022 में उपराष्ट्रपति पद संभाला था, लेकिन स्वास्थ्य कारणों से 21 जुलाई 2025 को इस्तीफा दे दिया था। इससे पहले वे 2019 में पश्चिम बंगाल के राज्यपाल भी रह चुके हैं। एम्स में भर्ती होने के बाद उनका स्वास्थ्य लगातार निगरानी में रखा जा रहा है। चिकित्सकों ने कहा है कि प्रारंभिक जांच में कोई गंभीर खतरा नहीं दिख रहा है, लेकिन आवश्यकतानुसार और परीक्षण किए जा रहे हैं ताकि स्वास्थ्य स्थिति पर पूर्ण नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

ई-सिगरेट प्रकरण में कीर्ति आज़ाद की सांसदी पर लटकी तलवार

- संसद भवन परिसर के अंदर उपयोग पर मिले कठोर कार्रवाई के संकेत
- लोकसभा अध्यक्ष ने किया स्पष्ट, नियमों के तहत निष्कासन भी संभव

नई दिल्ली। संसद भवन के भीतर ई-सिगरेट के उपयोग से जुड़ा मामला अब गंभीर संवैधानिक और संसदीय विमर्श का विषय बन गया है। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आज़ाद के आचरण को लेकर संसद की मर्यादा और गरिमा भंग होने के आरोपों के बीच उनकी सदस्यता पर भी संकट के बादल मंडराते दिख रहे हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्पष्ट किया है कि नियमों के तहत इस मामले में निष्कासन तक की कार्रवाई संभव है।

सोमवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना प्रत्येक सांसद की सामूहिक जिम्मेदारी है।

सदस्यता समाप्त करने का भी प्रावधान

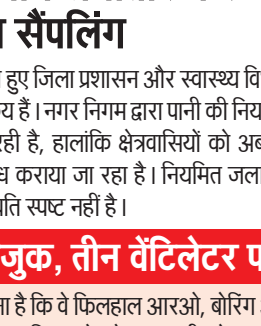

ओम बिरला ने यह भी स्पष्ट किया कि संसद के नियमों में सदस्यता समाप्त करने का प्रावधान मौजूद है, हालांकि अंतिम निर्णय सदन का विशेषाधिकार होता है, न कि केवल अध्यक्ष का। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में भी संसदीय आचरण के उल्लंघन के मामलों में सदस्यों की सदस्यता समाप्त की जा चुकी है और यदि सदन ऐसा उचित समझे तो इस मामले में भी वैसी कार्रवाई की जा सकती है।

अनुराग ठाकुर ने दर्ज कराई थी शिकायत

गौरतलब है कि शीतकालीन सत्र के दौरान भारतीय जनता पार्टी के सांसद अनुराग ठाकुर ने औपचारिक रूप से लोकसभा अध्यक्ष के समक्ष शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कीर्ति आज़ाद को सदन के भीतर ई-सिगरेट का उपयोग करते हुए देखा गया, जिसे कई अन्य सांसदों ने भी प्रत्यक्ष रूप से देखा। इस कृत्य को संसदीय मानद आचरण का गंभीर उल्लंघन बताया गया है।

वाराणसी वजूखाना सर्वे मामले में हाईकोर्ट ने सुनवाई स्थगित की

प्रयागराज। वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाना का वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग से जुड़ी याचिका पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने सोमवार को सुनवाई स्थगित कर दी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए तीन फरवरी की तारीख तय की है।

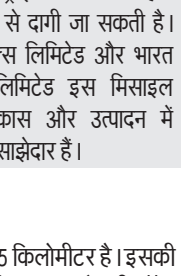

न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकलपीठ ने राखी सिंह की याचिका पर यह आदेश दिया। याचिका में वजूखाना के सर्वे से विवादित स्थल की धार्मिक पहचान स्पष्ट करने की बात कही गई थी। हालांकि मुस्लिम पक्ष द्वारा सर्वे का विरोध किया जा रहा है। अदालत ने ध्यान दिया कि ज्ञानवापी मस्जिद प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में याचिका लंबित है, जिसके कारण सुनवाई स्थगित करने का निर्णय लिया गया।

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर सुप्रीम कोर्ट ने जारी की नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने अनुसूचित जाति-अनुसूचित जनजाति (एससी-एसटी) समुदाय को मिलने वाले आरक्षण में भी क्रीमी लेयर के सिद्धांत को लागू किए जाने की मांग वाली याचिका पर केन्द्र, सभी राज्यों, अनुसूचित जाति आयोग और अनुसूचित जन जाति आयोग को नोटिस जारी किया है। मामले पर अगली सुनवाई चार हफ्ते बाद होगी। वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि एससी-एसटी समुदाय में भी संपन्न वर्ग (क्रीमी लेयर) की पहचान होनी चाहिए, ताकि उन्हें आरक्षण के दायरे से बाहर किया जा सके और आरक्षण का फायदा इसके असल हकदार यानि वंचित तबके को मिल सके। अगर किसी ने एक बार आरक्षण का फायदा उठाकर समाज में एक स्टेटस हासिल कर लिया है, तो फिर उस परिवार की दूसरी पीढ़ी को आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए।

क्या है क्रीमी लेयर

क्रीमी लेयर से आशय उस सामाजिक समूह के ऐसे व्यक्तियों या परिवारों से है, जो आरक्षण की श्रेणी में आने के बावजूद आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक रूप से अपेक्षाकृत समृद्ध हो चुके हों। सामान्यतः इसमें वे लोग शामिल माने जाते हैं, जिनकी आय एक तय सीमा से अधिक हो, या जिनके माता-पिता उच्च पदों पर कार्यरत हों, अथवा जिन्होंने पहले ही आरक्षण के माध्यम से स्थायी उन्नति प्राप्त कर ली हो। क्रीमी लेयर की अवधारणा का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि आरक्षण का लाभ उन्हीं वर्गों तक पहुंचे, जो वास्तव में पिछड़ेपन और वंचना का सामना कर रहे हैं, न कि उन तक जो पहले ही मुख्यधारा में शामिल हो चुके हैं।

कश्मीर में कड़ाके की ठंड, पारा शून्य से 2.4 डिग्री नीचे

श्रीनगर। कश्मीर घाटी में भीषण ठंड का दौर जारी है, हालांकि सोमवार को न्यूनतम तापमान में हल्का सुधार दर्ज किया गया। इसके बावजूद तापमान हिमांक बिंदु से ऊपर नहीं पहुंच सका। श्रीनगर में रात का न्यूनतम तापमान शून्य से 2.4 डिग्री सेल्सियस नीचे रिकॉर्ड किया गया, जबकि गुलमर्ग और पहलगाम में पारा शून्य से 3.4 डिग्री नीचे रहा।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दिनों में मौसम आमतौर पर शुष्क रहेगा, हालांकि बीच-बीच में बादल छाए रह सकते हैं। ऊंचाई वाले इलाकों में कहीं-कहीं हल्की बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई गई है। विभाग ने यह भी बताया कि अगले कुछ दिनों में न्यूनतम तापमान में धीरे-धीरे बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन 25 जनवरी तक घाटी में ठंडे और शुष्क मौसम का असर बना रहेगा।

आतंकवाद के विरुद्ध भारत-जर्मनी एक साथ: पीएम

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि भारत और जर्मनी आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक मानते हैं और इसके खिलाफ मिलकर ठोस एवं निर्णायक कार्रवाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों के बीच यह साझा समझ द्विपक्षीय रणनीतिक साझेदारी को और अधिक सशक्त बना रही है।

गुजरात के गांधीनगर में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज़ के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत और जर्मनी के संबंध केवल कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि दर्शन, ज्ञान और सांस्कृतिक विरासत से भी जुड़े हैं। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने दोनों देशों के बीच वैचारिक सेतु का निर्माण किया था, जिसे चांसलर मर्ज़ की यह यात्रा नई ऊर्जा और विश्वास प्रदान कर रही है।

रणनीतिक साझेदारी ने पूरे किए 25 वर्ष

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि यह यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण दौर में हो रही है, जब भारत और जर्मनी ने अपनी रणनीतिक साझेदारी के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं। उन्होंने इसे आपसी विश्वास, साझा मूल्यों और निरंतर मजबूत होते सहयोग का प्रमाण बताया।

करूर भगदड़: अभिनेता विजय ने दिया CBI के सवालों का जवाब

नई दिल्ली। तमिलगा वेट्री कजगम (टीवीके) के अध्यक्ष और चर्चित अभिनेता विजय सोमवार को करूर भगदड़ मामले की जांच के सिलसिले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के समक्ष उपस्थित हुए। दिल्ली स्थित सीबीआई मुख्यालय में उनसे इस घटना को लेकर पूछताछ की जा रही है।

सीबीआई कार्यालय के बाहर सुबह से ही विजय के समर्थकों की भीड़ जुटी रही। समर्थक पार्टी के झंडे हाथों में लिए मौजूद रहे और अपने नेता के समर्थन में नारेबाजी करते नजर आए, जिससे इलाके में पुलिस को अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था करनी पड़ी। यह मामला तमिलनाडु के करूर जिले में 27 सितंबर 2025 को टीवीके के एक चुनावी कार्यक्रम के दौरान मची भगदड़ से जुड़ा है। इस हादसे में 41 लोगों की जान चली गई थी, जिसके बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच की जिम्मेदारी सीबीआई को सौंपी गई थी।

सूत्रों के अनुसार, जांच एजेंसी ने इस माह की शुरुआत में विजय को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 179 के तहत नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए तलब किया था। सीबीआई अब घटना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, आयोजकीय तैयारियों और जिम्मेदारियों की गहन पड़ताल कर रही है।

मिशन PSLV-C62 : राह से भटका राकेट

तकनीकी खामी से 'अन्वेषा' उपग्रह कक्षा में नहीं हो सका स्थापित

श्रीहरिकोटा। भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को रविवार को उस समय बड़ा झटका लगा, जब भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का पीएसएलवी-सी62/ईओएस-एन1 मिशन तकनीकी कारणों से असफल घोषित कर दिया गया। मिशन के तहत प्रक्षेपित किया गया डीआरडीओ का अत्याधुनिक और संवेदनशील निगरानी उपग्रह 'अन्वेषा' निर्धारित कक्षा तक नहीं पहुंच सका।

तीसरे चरण में आई तकनीकी गड़बड़ी

इसरो के मुताबिक, प्रक्षेपण के बाद रॉकेट की उड़ान शुरुआती चरणों में सामान्य रही, लेकिन तीसरे चरण (पीएस-3) के अंतिम हिस्से में तकनीकी असामान्यता सामने आई। इसी दौरान रॉकेट अपने निर्धारित पथ से विचलित हो गया, जिससे पेलोड को लक्षित कक्षा में इंजेक्ट नहीं किया जा सका। स्थिति की समीक्षा के बाद मिशन को औपचारिक रूप से विफल घोषित किया गया।

सुबह 10:18 बजे हुआ था प्रक्षेपण

पीएसएलवी-सी62 रॉकेट को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से रविवार सुबह 10:18 बजे रवाना किया गया था। यह इसरो का 64वां पीएसएलवी मिशन था। इस प्रक्षेपण के जरिए कुल 16 उपग्रहों को अंतरिक्ष में स्थापित किया जाना था, जिनमें 'अन्वेषा' मिशन का सबसे अहम और रणनीतिक पेलोड माना जा रहा था। इसरो के अनुसार, 'अन्वेषा' एक अत्याधुनिक हाइपरस्पेक्ट्रल इमेजिंग उपग्रह है, जिसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया था। इसकी मदद से घने जंगलों, दुर्गम इलाकों और युद्ध क्षेत्र में छिपी सूक्ष्म गतिविधियों तक की पहचान संभव होनी थी। यह उपग्रह पर्यावरण निगरानी, संसाधन मानचित्रण और सामरिक सुरक्षा के क्षेत्र में भारत की क्षमताओं को नई मजबूती देने वाला माना जा रहा था।

तकनीकी समीक्षा में जुटे वैज्ञानिक

मिशन की विफलता के बाद इसरो ने विस्तृत तकनीकी जांच शुरू कर दी है। वैज्ञानिकों का कहना है कि गड़बड़ी के सटीक कारणों का विश्लेषण कर भविष्य के प्रक्षेपणों में सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे। इसरो ने भरोसा दिलाया है कि इस असफलता से मिली सीख आगामी मिशनों को और अधिक मजबूत बनाएगी। गौरतलब है कि वर्ष 2026 में यह इसरो का पहला प्रक्षेपण था। इसके साथ ही यह न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (एनएसआईएल) का नौवां वाणिज्यिक मिशन भी था, जो तकनीकी खामी के चलते अपने लक्ष्य को हासिल नहीं कर सका।

प्रभाग क्रमांक 1

रेखा यादव के पक्ष में दिग्गज नेताओं ने झोंकी ताकत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

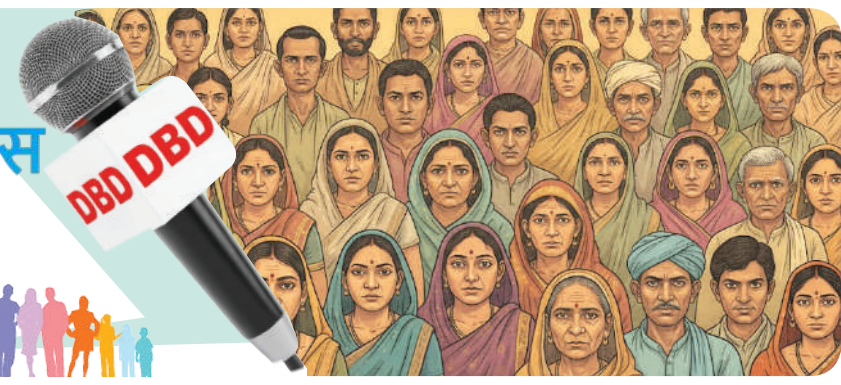

वार्ड क्रमांक-1 में महायुति (शिवसेना-भाजपा-आरपीआई) की प्रत्याशी रेखा राम यादव के पक्ष में चुनावी माहौल पूरी तरह गरमा गया है। कुछ दिन पहले ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने स्वयं मोर्चा संभालते हुए उत्तर भारतीय समाज और स्थानीय निवासियों से रेखा यादव को भारी मतों से विजयी बनाने की अपील की थी। रविवार को मशहूर लोकगायिका मैथिली ठाकुर ने रोड शो किया और कहा कि उम्मीदवार रेखा राम यादव को उनका पूरा समर्थन है और उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे इलाके की बेटी को मौका दें।

कौन-कौन है मैदान में ?

शिवसेना (शिंदे गुट) की तरफ से रेखा राम यादव धनुष-बाण चुनाव चिह्न पर किस्मत आजमा रही हैं। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) की ओर से फोरम जितेन परमार चुनाव लड़ रही हैं, जबकि इंडियन नेशनल कांग्रेस ने शीतल अशोक म्हात्रे को उम्मीदवार बनाया है। इसके अलावा भाविका श्याम गावकर निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनावी मैदान में हैं।

स्टार प्रचारकों और अनुभवी रणनीतिकारों का मिला साथ

रेखा यादव की जीत सुनिश्चित करने के लिए महायुति के दिग्गजों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। अभिनेता और शिवसेना के स्टार प्रचारक गोविंदा, पूर्व सांसद संजय निरुपम और भाजपा महासचिव आचार्य पवन त्रिपाठी जैसे कद्दावर नेताओं ने क्षेत्र में प्रचार कर मतदाताओं का उत्साह बढ़ाया है। इतना ही नहीं, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और स्थानीय विधायक मनीषा चौधरी स्वयं इस चुनाव संचालन की कमान संभाले हुए हैं। सांगठनिक मजबूती के लिए उद्योग मंत्री उदय सामंत ने अनुभवी एड. शशिकांत चव्हाण को निरीक्षक नियुक्त किया है, जो प्रबंधन की बारीकियों पर पैनी नजर रख रहे हैं।

अगर मैं नगरसेवक होता...

अगर मैं केडीएमसी का नगरसेवक होता, तो सबसे पहले प्रशासन और जनता के बीच की वह दीवार गिरा देता जो एक सामान्य नागरिक को अपने ही हक के काम के लिए 'साहब' के चक्कर काटने पर मजबूर करती है। मैं कल्याण-डोंबिवली की उन बदहाल सड़कों और गड्ढों के लिए ठेकेदारों को जवाबदेह बनाता, जिनकी वजह से हर साल हम अपनी पीठ और गाड़ियां तुड़वाते हैं। मेरा ध्यान सिर्फ कागजी 'स्मार्ट सिटी' पर नहीं, बल्कि जमीनी हकीकत सुधारने पर होता—जैसे कि कचरे का सही निस्तारण, पानी की रेगुलर सप्लाई और हमारे सार्वजनिक पार्कों को अतिक्रमण से मुक्त कराना। मैं राजनीति को व्यापार नहीं बल्कि 'वार्ड की सेवा' मानता, जहाँ मेरा फोन और मेरा दरवाजा हर उस आदमी के लिए खुला रहता जो टैक्स तो भरता है, लेकिन सुविधाओं के लिए तरसता है।

– लोकेश चंद्रा, केडीएमसी

क्या बोलती पब्लिक

चुनाव के समय नेताओं के वादे बढ़ जाते हैं, लेकिन अब जनता जागरूक है। लोग महंगाई, रोजगार, शिक्षा और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर ठोस काम चाहते हैं। केवल भाषण नहीं, जमीन पर दिखने वाला विकास ही वोट तय करेगा।

–अनिल धमापुरकर, मुंबई

मतदान सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही उम्मीदवार चुनकर ही भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और बदहाल व्यवस्था को बदला जा सकता है। इस बार लोग जाति और भावनाओं से ऊपर उठकर ईमानदार को मौका देना चाहते हैं।

–डॉ महेश पवार, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

दक्षिण मध्य मुंबई में आर-पार की लड़ाई

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

एशिया की सबसे बड़ी झुग्गी बस्ती धारावी का क्षेत्र दक्षिण मध्य मुंबई लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। यह झुग्गी बस्ती लगभग 520 एकड़ में फैली हुई है। इसके साथ ही इसमें मुंबई उपनगर और मुंबई शहर जिले के कई हिस्से शामिल हैं। इस लोकसभा क्षेत्र में माहिम, वडाला, सायन कोलीवाड़ा, धारावी, चेंबूर और अणुशक्ति नगर जैसे छह विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इस निर्वाचन क्षेत्र में कुल 14,74,405 मतदाता हैं। यहाँ लगभग 4.2 लाख मराठी भाषी मतदाता हैं, जबकि उत्तर भारतीय मतदाताओं की संख्या 5 लाख से अधिक है। मुस्लिम, ईसाई और बौद्ध धर्म के मानने वालों की संख्या भी काफी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में मुस्लिम वोटों के ध्रुवीकरण के कारण उबाठा (शिवसेना यूबीटी) के अनिल देसाई को जीत मिली थी। मुंबई नगर निगम चुनाव में महाविकास अघाड़ी का अस्तित्व समाप्त हो गया है और आशंका जताई जा रही है कि कांग्रेस के पारंपरिक वोट उबाठा सेना को मिलेंगे। हालांकि वर्ली-प्रभादेवी इलाके के मनसे के प्रमुख पदाधिकारी संतोष धुरी के बीजेपी में शामिल होने से माहिम निर्वाचन क्षेत्र के कुछ वार्डों पर असर पड़ेगा। ठाकरे बंधुओं का गठबंधन पसंद न आने के कारण चेंबूर के मनसे पदाधिकारी और पूर्व पार्षद राजा चौगुले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए हैं। दक्षिण मध्य मुंबई के कई वार्डों (विशेष रूप से वार्ड 193, 194, 197) में आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा निर्दलीय नामांकन भरने से वोटों के विभाजन का खतरा पैदा हो गया है।

माहिम विधानसभा क्षेत्र

माहिम विधानसभा क्षेत्र में शिवसेना भवन, शिवाजी पार्क, चैत्यभूमि, संयुक्त महाराष्ट्र दालन, सावरकर स्मारक और बालासाहेब ठाकरे स्मारक जैसे महत्वपूर्ण स्थान हैं। शिवसेना का गढ़ माने जाने वाले इस निर्वाचन क्षेत्र में नगर निगम के 10 वार्ड आते हैं, जहाँ उबाठा सेना और शिवसेना के बीच सीधा संघर्ष होने की संभावना है। हर वार्ड में मराठी मतदाताओं की संख्या बड़ी होने के कारण नतीजों से यह स्पष्ट होगा कि 'असली शिवसेना' कौन सी है। उबाठा सेना की पूर्व पार्षद प्रीति पाटनकर, मनसे को उम्मीदवारी मिलने के बाद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गई हैं और चुनाव लड़ रही हैं।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 182: मिलिंद वैद्य (उबाठा) बनाम राजन पारकर (बीजेपी)
- वार्ड 192: यशवंत किल्लेदार (मनसे) बनाम प्रीति पाटनकर (शिवसेना)
- वार्ड 191: विशाखा राउत (उबाठा) बनाम प्रिया सरवणकर (शिवसेना)

मानखुर्द अणुशक्ति नगर विधानसभा

इस निर्वाचन क्षेत्र में भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र (BARC) और अन्य महत्वपूर्ण सरकारी संस्थान व उनकी कॉलोनियां हैं। 2024 के विधानसभा चुनाव में एनसीपी (अजित पवार) की सना मलिक यहाँ से चुनी गई हैं।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 143: रचना गवस (एनसीपी-अजित पवार) बनाम प्रांजल राणे (मनसे) बनाम शोभा जायभाये (शिवसेना)
- वार्ड 146: समृद्धि गणेश काते (शिवसेना) बनाम राजेश पुरभे (मनसे) बनाम भाग्यश्री केदारे (एनसीपी-अजित पवार)
- वार्ड 147: अनुपमा केदारे (कांग्रेस) बनाम अंकिता दवे (एनसीपी-अजित पवार) बनाम जयश्री शिंदे (उबाठा)
- वार्ड 148: सोमू चंदू पवार (एनसीपी-अजित पवार) बनाम राजेंद्र माहुलकर (कांग्रेस) बनाम प्रमोद शिंदे (उबाठा)

वडाला विधानसभा क्षेत्र

बीजेपी के वरिष्ठ विधायक कालिदास कोलंबकर के वर्चस्व के कारण यहाँ महायुति का पलड़ा भारी माना जा रहा है। इस निर्वाचन क्षेत्र पर मराठी मतदाताओं का प्रभाव है। उबाठा और मनसे के बीच गठबंधन होने के बावजूद, वडाला सहकार का वार्ड 178 मनसे के लिए छोड़ दिया गया है। यहाँ उबाठा की इच्छुक उम्मीदवार माधुरी मांजरेकर को टिकट न मिलने से स्थानीय स्तर पर नाराजगी है।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 177: कल्पेश कोठारी (बीजेपी) बनाम नेहल शाह (निर्दलीय/बीजेपी विद्रोही)
- वार्ड 181: अनिल कदम (उबाठा) बनाम पुष्पा कोली (शिवसेना)
- वार्ड 178: अमेय घोले (शिवसेना) बनाम बजरंग सोनावणे (मनसे) बनाम रघुनाथ थवई (कांग्रेस)
- वार्ड 200: सुरेश काले (कांग्रेस) बनाम उर्मिला पांचाल (उबाठा) बनाम संदीप पानसंडे (बीजेपी)

धारावी विधानसभा क्षेत्र

यहाँ सर्वधर्म और सभी प्रांतों के लोग रहते हैं। धारावी चमड़ा और गारमेंट उद्योग का केंद्र है। 'धारावी पुनर्विकास परियोजना' चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा है। चूंकि यह परियोजना महायुति सरकार के माध्यम से लागू की जा रही है, इसलिए महायुति के उम्मीदवार पुनर्विकास के नाम पर वोट मांग रहे हैं, जबकि उबाठा और कांग्रेस सहित विपक्षी दल परियोजना की कमियों को लेकर सरकार को घेर रहे हैं। इसके अलावा सार्वजनिक शौचालयों की खराब स्थिति, संकरी गलियों का कंक्रीटीकरण और पीने के पानी की समस्या मुख्य मुद्दे हैं। कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए वरिष्ठ पूर्व पार्षद रवि राजा वार्ड 185 से अपनी किस्मत आजमा रहे हैं।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 183: पारूबाई कटके (मनसे) बनाम आशा दीपक काले (कांग्रेस)
- वार्ड 186: अर्चना शिंदे (उबाठा) बनाम सदिच्छा शिंदे (कांग्रेस)
- वार्ड 185: रवि राजा (बीजेपी) बनाम टी.एम. जगदीश (उबाठा) बनाम कमलेश चित्रोदा (कांग्रेस)

सायन कोलीवाड़ा विधानसभा

दक्षिण भारतीय मतदाताओं की बड़ी संख्या को देखते हुए राजनीतिक दलों ने इस समुदाय को प्रतिनिधित्व देने पर जोर दिया है। बीजेपी के कैप्टन आर. तमिल सेलवन यहाँ के वर्तमान विधायक हैं। यहाँ दक्षिण भारतीय मतदाताओं के साथ मराठी, उत्तर भारतीय और मुस्लिम वोट निर्णायक साबित होते हैं। वार्ड नंबर 173 चर्चा में है, जहाँ महायुति के उम्मीदवार चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ रहे हैं। यह वार्ड इस साल महिलाओं के लिए आरक्षित है। सीट बंटवारे में यह वार्ड शिवसेना को दिया गया था। पूर्व पार्षद रामदास कांबले ने अपनी पत्नी पूजा कांबले को मैदान में उतारा है, जबकि बीजेपी के दत्ता केलुस्कर भी अपनी पत्नी के लिए प्रयास कर रहे थे।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 171: राजश्री शिरवाडकर (बीजेपी) बनाम माधुरी भिसे (उबाठा)
- वार्ड 173: पूजा रामदास कांबले (शिवसेना) बनाम शिल्पा दत्ता केलुस्कर (बीजेपी) बनाम प्रणिता प्रकाश वाघदरे (उबाठा)
- वार्ड 175: रेखा यादव (बीजेपी) बनाम हर्षदा पाटिल (उबाठा) बनाम अनीता पाटोले (कांग्रेस)
- वार्ड 175 (अन्य): अर्चना कासले (मनसे) बनाम मानसी मंगेश सातमकर (शिवसेना)

चेंबूर विधानसभा क्षेत्र

चेंबूर में कई जगहों पर नए उम्मीदवारों को टिकट दिए जाने से बीजेपी में बगावत देखी गई है। यहाँ के 5 वार्डों (151 से 155) में राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। मुख्य मुकाबला महायुति बनाम उबाठा, एनसीपी (शरद पवार) और कांग्रेस के बीच है, जबकि मनसे और आप भी मैदान में हैं। चेंबूर, गोवंडी और देवनार क्षेत्रों में महिला उम्मीदवारों की संख्या सबसे अधिक (लगभग 68) है।

प्रमुख मुकाबले

- वार्ड 154: महादेव शिगवण (बीजेपी) बनाम शेखर चव्हाण (उबाठा) बनाम मुरलीकुमार पिल्ले (कांग्रेस)
- वार्ड 151: सोनिया थोरात (उबाठा) बनाम वंदना साबले (एनसीपी-अजित पवार) बनाम संगीता भालेराव (कांग्रेस)
- वार्ड 153: तन्वी तुषार काते (शिवसेना) बनाम मीनाक्षी अनिल पाटनकर (उबाठा)

डीबीडी PODCAST

16 जनवरी को मुंबई मनपा में महायुति का महापौर विराजमान होगा : राजहंस सिंह

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई के राजनीतिक गलियारों में इस समय सबसे बड़ी चर्चा गठबंधन और वोट बैंक के समीकरणों की है। इस चुनावी बिसात को समझने के लिए हमने खास बातचीत की भाजपा के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद सदस्य (MLC) राजहंस सिंह से। पूर्व विधायक और बीएमसी में विपक्ष के नेता रह चुके राजहंस सिंह न केवल उत्तर भारतीय समुदाय का प्रमुख चेहरा हैं, बल्कि उनके पास नगर निगम की कार्यप्रणाली का तीन दशकों का लंबा अनुभव है। इस विशेष साक्षात्कार में उन्होंने मुंबई के बुनियादी ढांचे, भ्रष्टाचार के आरोपों और अपनी पार्टी की भावी रणनीति पर बेबाकी से अपनी राय रखी।

Q भ्रष्टाचार मुक्त कचरा प्रबंधन और स्वच्छता

उद्धव ठाकरे की सेना ने 25 वर्षों तक मनपा की सत्ता में रहकर 3 लाख करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया। इसी लूट के कारण मुंबई को कचरा प्रबंधन, जल आपूर्ति और सड़कों की बदहाली का सामना करना पड़ा। उन्होंने आर्थिक राजधानी का सत्यानाश कर दिया है। अब हम कचरा और स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए एक बेहतर और पारदर्शी कार्ययोजना पेश करेंगे।

Q उपनगरों में आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

बढ़ती आबादी को देखते हुए मैंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि जिस तरह शहर में केईएम, नायर और सायन अस्पताल हैं, वैसे ही बड़े अस्पताल उपनगरों में भी बनाए जाएं। शहर की तुलना में अब उपनगर तेजी से बढ़ रहे हैं, इसलिए पूर्व और पश्चिम उपनगर में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हमारी प्राथमिकता है।

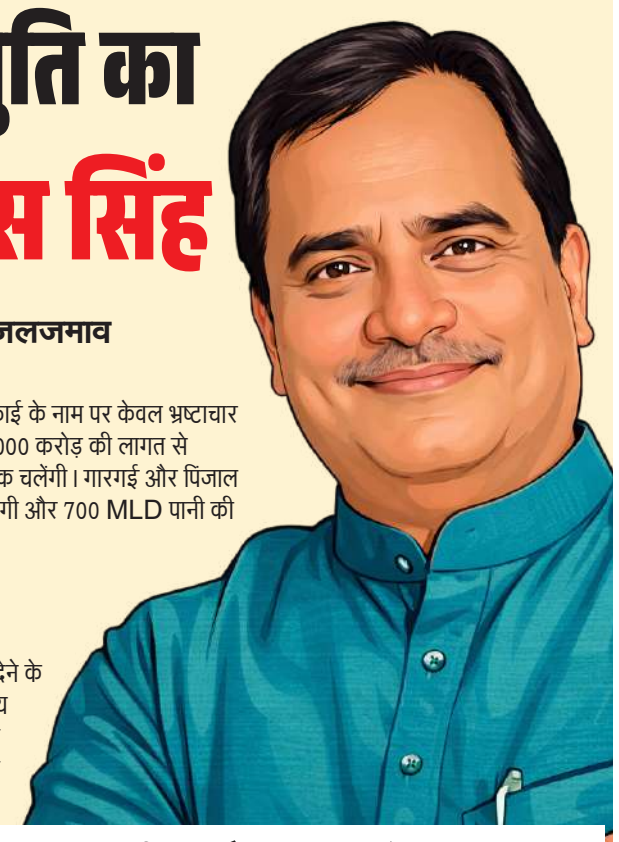

Q उद्धव सेना ने 25 वर्षों से भ्रष्टाचार की गंगा बहाई है

भाजपा के विधायक (विधानपरिषद) और तकरीबन 8 वर्षों तक बीएमसी में विपक्ष के नेता रह चुके राजहंस सिंह अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। 'दो बजे दोपहर' के समाचार संपादक धीरज सिंह ने उनसे वर्तमान मनपा

Q बीएमसी सत्ता का भविष्य और महायुति का संकल्प

मुंबई मनपा में इस बार महायुति की सत्ता आएगी और हम 150 से अधिक सीटें जीतेंगे। भाजपा, शिवसेना और आरपीआई की सुनामी चल रही है। 16 मई को हमारा महापौर मनपा में बैठेगा और भगवा फहराएगा। सत्ता में आते ही सभी जन-कल्याणकारी योजनाओं को संकल्प पत्र के माध्यम से प्राथमिकता से लागू किया जाएगा।

Q वार्ड स्तर पर विकास और जनसमर्थन

हमारे वार्ड से भाजपा के हरीश भांडिरगे चुनाव लड़ रहे हैं, जिन्होंने पिछले 5 वर्षों और विशेषकर कोरोना काल में अभूतपूर्व कार्य किया है। वे जनता के सुख-दुख में हमेशा खड़े रहते हैं। मैंने भी अपने विधानपरिषद फंड से यहाँ के विकास में योगदान दिया है। उत्तर भारतीय और ओडिशा समाज के समर्थन से यहाँ भाजपा की भारी जीत निश्चित है।

Q फुटपाथ अतिक्रमण और हॉकर्स पॉलिसी

शहर में फुटपाथ की बढ़ती समस्या को देखते हुए हमने मनपा आयुक्त से मुलाकात कर हॉकर्स पॉलिसी को जल्द लागू करने की मांग की। हमारी सरकार आते ही इसे सख्ती से क्रियान्वित किया जाएगा। स्टेशन के बाहर और सड़कों पर बैठने वाले गरीबों को व्यवस्थित जगह दी जाएगी, ताकि उनकी आजीविका भी चले और पैदल चलने वालों को भी कोई बाधा न हो।

Q सड़क सुधार, जल आपूर्ति और जलजमाव का स्थायी समाधान

पूर्व सत्ताधारियों ने डामरीकरण और मीठी नदी की सफाई के नाम पर केवल भ्रष्टाचार किया। इसके विपरीत, शिंदे-फडणवीस सरकार ने 6000 करोड़ की लागत से सड़कों का कंक्रीटीकरण शुरू किया है जो 20 साल तक चलेंगी। गारगई और पिंजाल परियोजनाओं के माध्यम से पानी की कमी दूर की जाएगी और 700 MLD पानी की चोरी व लीकेज को सख्ती से रोका जाएगा।

Q मराठी भाषा का संरक्षण और स्कूलों का संवर्धन

मराठी भाषा के संवर्धन और मराठी स्कूलों को बढ़ावा देने के लिए हम सीधे मराठी भाषियों के बीच जाकर उनकी राय लेंगे। महायुति की सत्ता आने पर संकल्प पत्र के माध्यम से इन स्कूलों की बेहतरी और भाषा के सम्मान के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे।

Q बीएमसी फंड की पारदर्शिता और जवाबदेही

अब ठेके 'बांद्रा बंगले' से आने वाले फोन पर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर दिए जा रहे हैं। पिछले 25 वर्षों में हुए 3 लाख करोड़ के घोटाले की जांच होगी और दोषियों को जेल भेजा जाएगा। कोस्टल रोड और अटल सेतु जैसे प्रोजेक्ट्स पूरी पारदर्शिता के साथ पूरे किए जा रहे हैं।

Q चुनाव प्रचार का बदलता स्वरूप

आज के चुनाव में रथ यात्रा और रैलियों का चलन बढ़ा है, लेकिन असली प्रचार घर-घर जाकर लोगों की समस्याओं को सुनना है। क्षेत्र की समस्याओं का गहराई से अध्ययन करना और जीतने के बाद उनका समाधान करना ही राजनीति का असली उद्देश्य होना चाहिए।

▸▸ वर्ष : 34 ▸▸ अंक : 307 ▸▸ मुंबई, मंगलवार, 13 जनवरी 2026 ▸▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸ मूल्य : 3 रुपए ▸▸ epaper.dobajedopahar.com ▸▸ संपादक : अरुण लाल ▸▸ संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

डीबीडी PODCAST

नशा और प्रदूषण मुक्त मानखुर्द और मुंबई बनाना लक्ष्य है : नवनाथ बन

प्रदेश भाजपा के प्रवक्ता और युवा नेता नवनाथ बन अपनी बिंदास शैली के लिए जाने जाते हैं। मुंबई मनपा चुनाव में पार्टी ने उन्हें वार्ड 135 (मानखुर्द शिवाजी नगर) से चुनाव लड़ने का टिकट दिया है। 'दो बजे दोपहर' के रिपोर्टर देवेन्द्रनाथ जैसवार ने उनसे वार्ड की समस्याओं और चुनावी एजेंडा पर चर्चा की।

Q वार्ड की सबसे बड़ी समस्या और समाधान क्या है?

नवनाथ बन के मुताबिक, मानखुर्द शिवाजी नगर में सबसे बड़ी समस्या नशाखोरी है। उन्होंने कहा, "नशामुक्त मानखुर्द और नशामुक्त मुंबई बनाने का मिशन देवा भाऊ ने लिया है। इसके लिए भाजपा की जीत जरूरी है। साथ ही वार्ड में गंदगी, स्ट्रीट लाइट, फुटपाथ और सड़कें भी सुधार की मांग करती हैं। इन सभी समस्याओं का समाधान 'कमल का फूल' ही कर सकता है।"

Q चुनाव जीतने के बाद मुख्य प्राथमिकताएं क्या होंगी?

चुनाव जीतने के बाद उनका मुख्य लक्ष्य है सुरक्षित और नशामुक्त मानखुर्द, साफ-सफाई, गटर और सीवरेज सुधारना, सड़कें और फुटपाथ बनाना।

Q झुग्गी-झोपड़ी और पक्का घर को लेकर क्या योजना रहेगी?

नवनाथ बन ने बताया कि झुग्गी-झोपड़ी निवासियों के लिए क्लस्टर योजना लागू की जाएगी, जिससे उन्हें वहीं पर पक्का घर मिलेगा, जैसा बीडीडी चाल में पहले किया गया।

Q स्वास्थ्य और कचरा प्रबंधन को लेकर आपकी क्या राय है?

डंपिंग ग्राउंड को बंद कर, क्षेत्र में 100 एकड़ में क्लस्टर योजना के माध्यम से साफ-सफाई और स्वास्थ्य सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

Q युवाओं और महिलाओं के लिए रोजगार क्या योजना है?

भाजपा के स्किल डेवलपमेंट मंत्री मंगल प्रभात के माध्यम से युवाओं का कौशल विकास किया जाएगा। महिलाओं को 5 लाख रुपये तक का स्वरोजगार कर्ज मिलेगा।

Q जलजमाव और बरसात की समस्या का निपटारा कैसे होगा?

उन्होंने कहा कि जलजमाव जैसी समस्याओं का समाधान भी योजनाबद्ध तरीके से किया जाएगा।

Q अपने आप को योग्य उम्मीदवार क्यों मानते हैं?

नवनाथ बन ने कहा, "उबाठा गट की पूर्व नगरसेविका पिछले पांच साल में कोई काम नहीं कर पाई। लोग उनसे नाराज हैं। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने बेहतर कार्य किया। कोरोना काल में भाजपा ने लोगों की मदद की। जनता जान चुकी है कि कौन उनके लिए बेहतर है। इस बार मानखुर्द की जनता ने अपना मन 'कमल के फूल' के लिए बना लिया है।"

मुंबई के 'रण' में दिल्ली के 'सिपहसालार'

मुंबई। एशिया के सबसे अमीर नगर निकाय, बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) के चुनाव की सरगर्मियां अब अपने चरम पर हैं। 15 जनवरी को होने वाले मतदान के लिए दिल्ली की सत्ता में 27 साल बाद वापसी करने वाली बीजेपी ने अपने मंत्रियों और कद्दावर नेताओं को मुंबई की गलियों में उतार दिया है। दिल्ली सरकार के मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा, पंकज सिंह और कपिल मिश्रा जैसे बड़े चेहरे मुंबई के प्रत्याशियों के समर्थन में ताबड़तोड़ प्रचार कर रहे हैं। इन नेताओं को विशेष रूप से उन इलाकों में तैनात किया गया है, जहाँ उत्तर भारतीय और पूर्वांचल के मतदाताओं की संख्या अधिक है।

'दिल्ली मॉडल' बनाम स्थानीय मुद्दे

फरवरी 2025 में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतकर ऐतिहासिक वापसी करने वाली बीजेपी अब अपने 'दिल्ली मॉडल' को मुंबई में जीत के हथियार के रूप में पेश कर रही है। कपिल मिश्रा और मनजिंदर सिंह सिरसा जैसे नेता मतदाताओं को समझा रहे हैं कि कैसे उन्होंने दिल्ली में बदलाव सुनिश्चित किया। बीजेपी ने उन 60 से अधिक वार्डों की जिम्मेदारी दिल्ली के नेताओं को सौंपी है, जहाँ प्रवासी मतदाताओं का दबदबा है। भाजपा इस चुनाव को केवल पार्षदों के चयन के तौर पर नहीं, बल्कि विकास के एक बड़े राष्ट्रीय विजन के रूप में पेश कर रही है। दिल्ली सरकार के विभिन्न मंत्री घाटकोपर, कांदिवली, मलाड और कुर्ला जैसे क्षेत्रों में छोटी-छोटी जनसभाएं कर भ्रष्टाचार मुक्त शासन और इंफ्रास्ट्रक्चर के मॉडल का वादा कर रहे हैं।

वीडियो केवाईसी के माध्यम से

कहीं से भी, कभी भी बैंक खाता खोलें!

आरबीआई कहता है...
जानकार बनिए, सतर्क रहिए!

- बैंक द्वारा प्राधिकृत अधिकारी के साथ वीडियो पर तत्काल बातचीत के माध्यम से बैंक खाता खोलें या केवाईसी अपडेट करें।
- वीडियो केवाईसी के माध्यम से बैंक ग्राहक की पहचान का सत्यापन करता है।
- आवश्यक दस्तावेज़: सीकेवाईसी पहचान संख्या **या** आधार **या** डिजिलॉकर में उपलब्ध पहचान दस्तावेज़ और पैन।
- वीडियो केवाईसी की सुविधा बैंक के निर्धारित समय के अनुसार उपलब्ध है।

अधिक जानकारी के लिए,
https://rbikehtahai.rbi.org.in/VKYC पर जाएँ
आधिकारिक व्हाट्सएप नंबर:
99990 41935/99309 91935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

शिवसेना महायुती

स्वच्छ-सुंदर शहर निर्माण का... वचन शिवसेना महायुती का!

- सुरक्षित एवं तेज यातायात व्यवस्था
- नागरिकों के लिए शुद्ध और पर्याप्त पेयजल
- उद्योगों की स्थापना द्वारा रोजगार की उपलब्धी
- सुसज्जित अस्पताल और अत्याधुनिक स्वास्थ्य सेवाएँ
- चौड़े फुटपाथ और मजबूत, टिकाऊ सड़कें
- विशाल खेल मैदान और आधुनिक खेल संकुल
- मराठी भाषा के प्रति सम्मान
- लाडली बहनों का सशक्तिकरण एवं स्वास्थ्य का रक्षण
- परिवहन सेवाओं का सुदृढ़ीकरण
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण
- वरिष्ठ नागरिकों हेतु समर्पित स्वास्थ्य सेवाएँ एवं मनोरंजन सुविधा
- प्रदूषण पर नियंत्रण एवं पर्यावरण संरक्षण

किया है काम निर्विवाद... अब जनता का आशीर्वाद!

शिवसेना महायुती को आशीर्वाद दीजिए... जीत का भगवा लहराईएँ !

धनुषबाण के चिन्ह के सामने वाला बटन दबाएँ और शिवसेना के उम्मीदवारों को विजयी बनाएँ।

प्रकाशक : श्री संजय मोरे (शिवसेना सचिव)